श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होने के तीसरे दिन रविवार को 6619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था भगवती नगर आधार शिविर से बालटाल और पहलगाम के रास्ते दक्षिण कश्मीर में स्थित पवित्र गुफा के लिए रवाना हुआ।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः29 अंकः 58 दिनांकः01-07-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

गुजरात के कई इलाकों में रविवार को भारी बारिश हुई जिससे अहमदाबाद और सूरत सहित कुछ शहरों में जलभराव के कारण सामान्य जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। सूरत के पलसाना तालुका में मात्र दस घंटों में 153 मिमी बारिश हुई, जो राज्य में सबसे अधिक बारिश है

आज संसद में नीट पेपर लीक, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर विपक्ष कर सकता है हंगामा

नयी दिल्ली,(ईएमएस)। संसद की कार्यवाही के सोमवार को फिर शुरु होने पर नीट पेपर लीक, अग्निपथ योजना और महंगाई जैसे मुद्दों पर जोरदार हंगामा होने की संभावना है। विपक्ष पेपर लीक मामले के अलावा बेरोजगारी का मुद्दा भी उठा सकता है। लोकसभा में, बीजेपी के सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करेंगे। बीजेपी की दिवंगत नेता सुषमा स्वराज की बेटी और पहली बार लोकसभा सदस्य बनी बांसुरी स्वराज इस प्रस्ताव का अनुमोदन करेंगी।

लोकसभा ने धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए 16 घंटे का समय तय किया है, जिसका समापन मंगलवार को पीएम नरेन्द्र मोदी के जवाब से होगा। राज्यसभा में चर्चा के लिए 21 घंटे का समय तय किया है और पीएम मोदी के बुधवार को जवाब देने की संभावना है। नीट मुद्दे पर संसद में इस सप्ताह काफी हंगामा हुआ था। एनटीए ने पांच मई को नीट-यूजी का आयोजन किया था, जिसमें 24 लाख परीक्षार्थी बैठे थे। नतीजे 4 जून को घोषित किए गए, लेकिन इसके बाद बिहार समेत कई राज्यों में पेपर लीक होने के अलावा परीक्षा से जुड़ी अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे।

राज्यसभा में बीजेपी सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने पीएम मोदी को ''अतुलनीय'' बताया था और कहा था कि देश के सामने आने वाले मुद्दों से निपटने के उनके दृष्टिकोण और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण में बहुत अंतर है। बीजेपी सदस्य कविता पाटीदार ने प्रस्ताव का समर्थन किया था और चर्चा में अब तक नौ अन्य सदस्य भाग ले चुके हैं।

विपक्षी सदस्यों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित अनियमितता पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया था, जिस पर सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। नीट मुद्दे पर हंगामे के बीच छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम हाई ब्लडप्रेशर के चलते अचानक बेहोश हो गईं, जिसके बाद उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन की कार्यवाही स्थगित न करने और राज्यसभा सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता न करने के लिए सरकार की आलोचना की थी।

इसके उपरांत राहुल गांधी ने शरद पवार और एमके स्टालिन से चर्चा कर उनकी सहमति भी हासिल कर ली है। हालांकि विपक्ष की ओर से डिप्टी स्पीकर के लिए उम्मीदवार का औपचारिक एलान तभी होगा जब सरकार चुनाव कराने की घोषणा करेगी।

कांग्रेस ने सरकार से की मांग... संसद को पारित करना चाहिए कानून-50 फीसदी से अधिक हो आरक्षण की सीमा

नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि संसद को एक कानून पारित करना चाहिए, ताकि आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से अधिक हो सके। विपक्षी पार्टी की ओर से यह बयान तब सामने आया है, जब एक दिन पहले जद(यू) ने बिहार में आरक्षण की सीमा को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की।

जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की शनिवार को बैठक हुई। जिसमें पार्टी ने उच्च न्यायालय के हालिया उस फैसले पर चिंता जताई। जिसमें बिहार सरकार के अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी कर दी गई। बैठक में एक राजनीतिक प्रस्ताव भी पारित किया गया। जिसमें जदयू ने भाजपा के नेतृतत्व वाली केंद्र सरकार से राज्य के कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डालने का अनुरोध किया, ताकि उसकी न्यायिक समीक्षा की संभावना खारिज की जा सके।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी पार्टी कहती रही है कि एससी, एसटी और ओ बीसी के लिए आरक्षण से जुड़े राज्य के सभी कानूनों को नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि जद(यू) ने कल पटना में यही मांग उठाई है। लेकिन उसकी सहयोगी भाजपा राज्य और केंद्र दोनों जगह इस मामले पर पूरी तरह चुप है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, आरक्षण कानूनों को 50 फीसदी की सीमा से परे नौवीं अनुसूची में लाना भी कोई समाधान नहीं है, क्योंकि 2007 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार ऐसे कानून न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए संविधान संशोधन कानून की जरूरत है। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में संसद के पास एकमात्र रास्ता यह है कि वह संविधान संशोधन विधेयक पारित करे ।

उत्तर भारत में भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले चार से पांच दिन उत्तर भारत में भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। आईएमडी के अनुसार तीन जुलाई तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होगी। आईएमडी ने कहा कि अगले दो से तीन दिन में पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब के अधिकांश हिस्सों और हिमाचल प्रदेश और जम्मू के शेष इलाकों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

आईएमडी ने यह भी कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून पूर्वी उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में आगे बढ़ गया है। अगले सात दिनों तक राजधानी दिल्ली में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने दिल्ली में अगले तीन दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में भी दो जुलाई तक राज्य में मूसलाधार बारिश तथा आंधी का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए आईएमडी ने 'ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, कांगड़ा, कुल्लू और किन्नौर जिलों में तीन सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गई हैं।

राजस्थान में भी मानसून के कारण आगामी कुछ दिनों में भारी बारिश होने का अनुमान है। मौसम कार्यालय के अनुसार, बीते 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर बादल गरजने के साथ हल्की से मध्यम वर्षा तथा कहीं-कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई। मौसम कार्यालय ने पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में अगले कुछ दिनों में भारी बारिश होने का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग ने उत्तराखंड में 2 और 3 जुलाई को भारी से भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड के मौसम विभाग के निर्देशक विक्रम सिंह के मुताबिक प्रदेश में लगभग 80 फ़ीसदी क्षेत्र में मानसून दस्तक कर चुका है। विक्रम सिंह ने जानकारी दी की कई क्षेत्र में पिछले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश हुई है। इसके अलावा मौसम विभाग ने जो ऑरेंज अलर्ट जारी किया है उसमें लैंडस्लाइड नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी और पत्थरों के कितने जैसी घटनाएं हो सकती है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने का अनुमान है। आईएमडी ने 29 जून से एक जुलाई तक सौराष्ट्र, कच्छ, केरल, तमिलनाडु तथा तटीय और दक्षिण कर्नाटक में भी कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने का पूर्वानुमान लगाया है।

आज से देश में बदलेंगे वर्षों पुराने तीन कानून

-90 दिन में चार्जशीट, मॉब लिंचिंग की सजा मौत, राजद्रोह कानून का खात्मा -ठग 420 नहीं 316 कहलाएंगे, हत्यारों को 302 नहीं 101 में मिलेगी सजा

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश में अंग्रेजों के जमाने से चल रहे तीन आपराधिक कानून सोमवार से बदल जाएंगे। दिसंबर 2023 में संसद द्वारा पारित तीन कानून अगले महीने से पूरे देश में प्रभावी हो जाएंगे। तीनों नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम कहे जाएंगे, जो क्रमशः भारतीय दंड संहिता (1860), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (1898) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (1872) का स्थान लेंगे। नए कानून के तहत अब धोखाधड़ी की धारा 420 के बदले 316 और हत्या की धारा को 302 के बदले 101 से जाना जाएगा। यानी अब देश में अंग्रेजों का नहीं अपना कानून चलेगा।

सोमवार लागू होने वाले तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम हैं। ये कानून क्रमशः भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और पुराने भारतीय साक्ष्य अधिनयम की जगह लेंगे। 12 दिसंबर, 2023 को इन तीन कानूनों में बदलाव का बिल लोकसभा में प्रस्तावित किया गया था। इसके बाद 20 दिसंबर, 2023 को लोकसभा और 21 दिसंबर, 2023 को राज्यसभा से ये पारित हुए। 25 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति ने तीन विधेयकों को अपनी मंजूरी दी। वहीं 24 फरवरी, 2024 को केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि तीन नए आपराधिक कानून इस साल 1 जुलाई से लागू होंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2022 को लाल किले की प्राचीर से अपने उद्बोधन के दौरान देश के सामने पांच प्रण रखे थे। उनमें से एक प्रण था कि हम गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त कर देंगे। तीनों विधेयक प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए प्रण में से एक प्रण का अनुपालन करने वाले हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बताया था कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, भारत की सुप्रीम कोर्ट, 22 हाईकोर्ट, न्यायिक संस्थाओं, 142 सांसद और 270 विधायकों के अलावा जनता ने भी इन विधेयकों को लेकर सुझाव दिए हैं। चार साल तक इस पर काफी चर्चा हुई है। सरकार ने इस पर 158 बैठकें की हैं। विधेयक विभिन्न समिति की सिफारिशों से भी प्रभावित हैं।

किन-किन कानूनों में बदलाव होगा

भारतीय दंड संहिताः भारतीय दंड संहिता 1860 की जगह भारतीय न्याय संहिता, 2023 जगह लेगी। यह आईपीसी के 22 प्रावधानों को निरस्त करेगी। इसके साथ ही नई संहिता में आईपीसी के 175 मौजूदा प्रावधानों में बदलाव का प्रस्ताव किया गया है और नौ नई धाराएं पेश की गईं हैं। भारतीय न्याय संहिता, 2023 में कुल 356 धाराएं हैं।

आपराधिक प्रक्रिया संहिताः दूसरा जो कानून बदलने जा रहा है वो आपराधिक प्रक्रिया संहिता यानी क्रिमिनल प्रोसीजर कोड (सीआरपीसी) है। सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 को प्रस्थापित किया जाएगा। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के जरिए सीआरपीसी के नौ प्रावधानों को निरस्त किया जाएगा। इसके अलावा इस कानून में सीआरपीसी के 107 प्रावधानों में बदलाव और नौ नए प्रावधान पेश करने को कहा गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में कुल 533 धाराएं हैं।

भारतीय साक्ष्य अधिनियमः बदलने वाला तीसरा कानून भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 है। इसकी जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 लागू किया जाएगा। नया अधिनियम मौजूदा साक्ष्य अधिनियम के पांच मौजूदा प्रावधानों को निरस्त करेगा। बिल में 23 प्रावधानों में बदलाव का प्रस्ताव है और एक नया प्रावधान पेश किया गया है। इसमें कुल 170 धाराएं हैं।

तीनों नए कानूनों से क्या बदलेगा

भारत की संप्रभुता या अखंडता को खतरे में डालने वाले किसी भी व्यक्ति को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। वहीं, मॉब लिंचिंग और नाबालिग से दुष्कर्म में शामिल लोगों को अधिकतम मौत की सजा दी जा सकती है। हत्या के जुर्म के लिए सजा-ए-मौत या आजीवन कारावास की सजा होगी। दुष्कर्म में शामिल लोगों को कम से कम 10 साल की जेल या आजीवन कारावास की सजा होगी और सामूहिक दुष्कर्म के लिए कम से कम 20 साल की कैद या उस व्यक्ति के शेष जीवन के लिए कारावास की सजा होगी। बिल के अनुसार, यदि किसी महिला की बलात्कार के बाद मृत्यु हो जाती है या इसके कारण महिला लगातार बेहोश रहती है, तो दोषी को कठोर कारावास की सजा दी जाएगी, जिसकी अवधि 20 वर्ष से कम नहीं होगी, लेकिन जिसे आजीवन कारावास के लिए बढ़ाया जा सकता है।

बिल के अन्य खास प्रावधान

नागरिक किसी भी पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर दर्ज करा सकेंगे, चाहे उनका अधिकार क्षेत्र कुछ भी हो।

जीरो एफआईआर को क्षेत्राधिकार वाले पुलिस स्टेशन को अपराध पंजीकरण के बाद 15 दिनों के भीतर भेजा जाना अनिवार्य होगा।

जिरह अपील सहित पूरी सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाएगी। यौन अपराधों के पीडितों के बयान दर्ज करते समय वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी।

सभी प्रकार के सामूहिक बलात्कार के लिए सजा 20 साल या आजीवन कारावास। नाबालिग से बलात्कार की सजा में मौत की सजा शामिल है।

एफआईआर के 90 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से चार्जशीट दाखिल की जाएगी। न्यायालय ऐसे समय को 90 दिनों के लिए और बढ़ा सकता है, जिससे जांच को समाप्त करने की कुल अधिकतम अवधि 180 दिन हो जाएगी।

आरोप पत्र प्राप्त होने के 60 दिन के भीतर अदालतों को आरोप तय करने का काम पूरा करना होगा।

सुनवाई के समापन के बाद 30 दिन के भीतर अनिवार्य रूप से फैसला सुनाया जाएगा।

फैसला सुनाए जाने के सात दिन के भीतर अनिवार्य रूप से ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा।

तलाशी और जब्ती के दौरान वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी।

सात साल से अधिक की सजा वाले अपराधों के लिए फोरेंसिक टीमों को अनिवार्य रूप से अपराध स्थलों का दौरा करना होगा। जिला स्तर पर मोबाइल एफएसएल की तैनाती होगी।

सात साल या उससे अधिक की सजा वाला कोई भी मामला पीडित को सुनवाई का अवसर दिए बिना वापस नहीं लिया जाएगा।

संगठित अपराधों के लिए अलग, कठोर सजा। शादी, नौकरी आदि के झूठे बहाने के तहत महिला के बलात्कार को दंडित करने वाले अलग प्रावधान।

चेन / मोबाइल स्नैचिंग और इसी तरह की शरारती गतिविधियों के लिए अलग प्रावधान। बच्चों के खिलाफ अपराध के लिए सजा को सात साल से बढ़ाकर 10 साल की जेल की अवधि तक।

मृत्युदंड की सजा को कम करके अधिकतम आजीवन कारावास में बदला जा सकता है, आजीवन कारावास की सजा को कम करके अधिकतम सात साल के कारावास में बदला जा सकता है और सात साल की सजा को तीन साल के कारावास में बदला जा सकता है और इससे कम नहीं। किसी भी अपराध में शामिल होने के लिए जब्त किए गए वाहनों की वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी।

बीसीसीआई देगा टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को 125 करोड़ रुपए कैश प्राइज

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड - बीसीसीआई टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को 125 करोड़ रुपए कैश प्राइज देगा। बोर्ड के सचिव जय शाह ने रविवार को खुद इसका ऐलान किया। शाह ने एक्स पर लिखा- मुझे यह ऐलान करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया को 125 करोड़ रुपए की इनामी राशि दी जाएगी। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जबर्दस्त टैलेंट, समर्पण और खेल भावना का प्रदर्शन किया। मैं इस असाधारण उपलब्धि के लिए सभी खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देता हूं।

हम मां को कुछ दे तो नहीं सकते उसका प्यार हम सब पर कर्ज है

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 में जीत और लगातार तीसरे बार पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने पहली बार रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिये लोगों से जुड़े। इस कार्यक्रम में पीएम ने अपनी मां हीरा बा को याद करते हुए लोगों को मां की ममता से रूबरू कराते हुए उनके नाम पर एक पेड़ लगाने के नए अभियान से जुड़ने की अपील की।

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि मेरे प्यारे देशवासियों आज वह दिन आ ही गया जिसका हम सभी इंतजार कर रहे थे। मैं 'मन की बात' के जरिए से एक बार फिर अपने परिवारजनों के बीच आया हूं। साथियों फरवरी से लेकर अब तक, जब भी, महीने का आखिरी रविवार आता है तब मुझे आपसे इस संवाद की बहुत कमी महसूस होती थी, लेकिन मुझे ये देखकर अच्छा भी लगा कि इन महीनों में आप लोगों ने मुझे लाखों संदेश भेजे।

पीएम मोदी ने इसके साथ ही कहा कि मन की बात रेडियो प्रोग्राम भले ही कुछ महीने बंद रहा हो, लेकिन मन की बात का जो स्पिरिट है देश में, समाज में, अच्छे काम, निस्वार्थ भावना से किए गए काम, समाज पर पॉजिटिव असर डालने वाले काम बराबर चलते रहे। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आज देशवासियों को धन्यवाद भी देना चाहता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दिखाया है।

कार्यक्रम में पीएम ने कहा कि मेरे प्यारे साथियो, अगर मैं आपसे पूछूं कि दुनिया का सबसे अनमोल रिश्ता कौन सा होता है तो आप कहेंगे- 'छ्ह्'ष्ठ हम सबके जीवन में 'मां' का दर्जा बहुत ऊंचा है. मां, हर दुख सहकर भी अपने बच्चे का पालन-पोषण करती है। हर मां, अपने बच्चे पर प्यार लुटाती है। मां का ये प्यार हम सब पर एक कर्ज है, जिसे कोई चुका नहीं सकता. मैं सोच रहा था, हम मां को कुछ दे तो सकते नहीं, लेकिन और कुछ कर सकते हैं क्या?

पीएम मोदी ने इसके साथ ही कहा कि इसी सोच में से इस साल विश्व पर्यावरण दिवस पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, इस अभियान का नाम है-'एक पेड़ मां के नाम'। मैंने भी एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाया है। मैंने सभी देशवासियों से, दुनिया के सभी देशों के लोगों से ये अपील की है कि अपनी मां के साथ मिलकर, या उनके नाम पर, एक पेड़ जरूर लगाएं।' उन्होंने कहा कि हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है। चाहे वह अमीर हो या गरीब, चाहे वह कामकाजी महिलाएं हों या एढ्ढद्रष्ठाद्ग अभियान ने मां के लिए अपना प्यान जताने का संदेश है। उन्होंने कहा कि 'मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से अपनी मां का सम्मान तो होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी।'

झरने में बहने से एक महिला और 4 बच्चों समेत 5 की मौत

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के लोनावला हिल स्टेशन के निकट एक झरने में एक महिला और चार बच्चों सहित पांच लोग बह गए । लोनावला पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार दोपहर करीब दो बजे हुई। जब बच्चे व कुछ अन्य लोग भूशी बांध के पास पहाड़ी जंगलों में बह रहे झरने का आनंद लेने गए थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना की शिकार महिला की उम्र करीब 40 वर्ष और बच्चों की उम्र 4 से 8 वर्ष के बीच है। ये सभी पुणे के सैय्यद नगर के निवासी थे।

स्थानीय लोगों ने कहा कि वे झरने के तल पर काई लगे पत्थरों पर फिसलकर पानी के वेग में बह गए होंगे और डूब गए होंगे। सभी मौसी डैम के करीब एक झरने के नीचे पानी में भीग रहे थे तभी देखते ही देखते फिसल कर झरने के पानी में बह गए। जानकारी के अनुसार इसे रेलवे का झरना कहा जाता है। यह पानी भूशी बांध में प्रवेश करता है, जहां पांच लोग की तलाश जारी है।

'कल्कि 2898 एडी' के मेकर्स पर नोटों की बारिश, बॉक्स ऑफिस पर मचा रही धूम

-फिल्म ने तीन दिनों में भारत में किया 220 करोड़ रुपए का कलेक्शन

मुंबई,(ईएमएस)। कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही हैं। मेकर्स पर पैसों की बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। फिल्म में मेन हीरो प्रभास के अलावा, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन और दिशा पाटनी भी अहम रोल निभार रहे हैं। फिल्म में सभी कलाकारों के किरदार को तारीफ मिल रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 'कल्कि 2898 एडी' ने शनिवार को हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम और कन्नड़ में 67.1 करोड़ रुपए की कमाई की।'कल्कि 2898 एडी' ने तीन दिनों में भारत में 220 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। फिल्म ने पहले ही दिन 95 करोड़ और दूसरे दिन 54 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया। फिल्म ने सबसे ज़्यादा कमाई तेलुगु में की है। फिल्म ने तेलुगु में 126.9 करोड़ रुपए कमाए हैं जबकि हिंदी में 72.5 करोड़ कमाए। फिल्म ने पहले ही दिन ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 191 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

'कल्कि 2898 एडी' ने पहले ही दिन 191 करोड़ रुपए का कलेक्शन करके इतिहास रच दिया है।'बाहुबली 2' और 'आरआरआर' के बाद सबसे ज्यादा कमाई करने वाली यह तीसरी फिल्म बन गई है। आरआरआर अभी भी 223 करोड़ की कमाई के साथ सबसे ज़्यादा ओपनिंग करने वाली भारतीय फिल्म है, इसके बाद 'बाहुबली 2' है जिसने अपने पहले दिन 217 करोड़ रुपए से ज़्यादा की कमाई की थी।

आईआईटी के बेरोजगारों की संख्या 3 साल में 2 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईआईटी से पढ़ाई करने के बाद भी नौकरी मिलेगी या नहीं। यह अब सुनिश्चित नहीं रहा। 2023-24 में सभी आईआईटी में पंजीयत पास आउट के 38 फ़ीसदी छात्रों को अभी तक जाब के ऑफर नहीं मिले हैं। 2021-22 मैं जिन छात्रों ने परीक्षा पास की थी। उनमें से 19 फ़ीसदी को अभी तक काम नहीं मिला है। 3 साल में जॉब नहीं मिलने वाले छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले तीन वर्षों में आईआईटी से जिन्होंने पास आउट किया है। उन्हें नौकरी नहीं मिलने से युवाओं में निराशा व्याप्त हो रही है।

सूचना अधिकार कानून से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2021-22 में आईआईटी कानपुर के 2256 छात्रों ने जब के लिए पंजीयन कराया था। इनमें से 1615 छात्रों को ही जॉब मिला। 2023-24 में पंजीयन करने वाले छात्रों की संख्या 2660 थी। इसमें से मात्र 1564 छात्रों को नौकरियां मिली हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देश की सभी आईआईटी में 2021-22 में 17887 छात्रों द्वारा पंजीयन कराया गया था। इसमें से 14485 छात्रों को जब मिली थी। 2022-23 में 19969 छात्रों ने पंजीयन कराया था। इनमें से मात्र 15804 छात्रों को प्लेसमेंट मिला। 2023-24 में 21473 छात्रों ने पंजीयन कराया था। इसमें से मात्र 13388 छात्रों को ही प्लेसमेंट मिला है।

आईआईटी में प्रवेश लेने के लिए छात्र लगातार कोचिंग करते हैं। सारा ध्यान पढ़ाई पर लगाते हैं। उसके बाद भी आईआईटी से पास आउट होने के बाद छात्र-छात्राओं को नौकरी नहीं मिलना, युवाओं में निराशा को बढ़ा रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कहा जा रहा है। वैश्विक मंदी शुरू हो चुकी है। अमेरिका में ब्याज दरों और महंगाई के कारण रोजगार की स्थिति बड़ी खराब है। दूसरी सबसे बड़ी वजह एआई तकनीकी को बताया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कंपनियों में बढ़ रहा है। जिसके कारण रोजगार के अवसर घट रहे हैं।

अरगा नदी पर बन रहा पुल जमींदोज

गिरिडीह(ईएमएस)। बिहार में पुलों के लगातार धराशायी होने की खबर के बीच अब झारखंड में भी एक निर्माणाधीन पुल गिर गया है। गिरिडीह जिले के देवरी प्रखंड में अरगा नदी पर बन रहे पुल का पिलर धंस गया जिससे गार्डर टूटा और पुल जमींदोज हो गया। यह पुल फतेहपुर-भेलवाघाटी सडक़ पर कारीपहरी गांव में अरगा नदी के ऊपर बनाया जा रहा था जो मानसून की पहली बारिश भी नहीं झेल पाया। दरअसल शनिवार की शाम में हुई मूसलाधार बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ गया था। नदी की तेज बहाव में निर्माणाधीन पुल का का पिलर धंस गया जिससे गार्डर टूट कर गिर गया। वहीं एक अन्य पिलर भी टेढ़ा हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक तेज बारिश के दौरान रात करीब आठ बजे एक पाया टेढ़ा हो गया। इसके बाद तेज आवाज के साथ निर्माणाधीन पुल का गार्डर टूट कर नदी में गिर गया।

असम में कैश-फॉर-मार्क्स घोटाला पकड़ाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। असम में कैश-फॉर-मार्क्स घोटाले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम पुलिस का कहना है कि आरोपी मार्कशीटों में डिजिटल छेड़-छाड़ कर रहे थे। पुलिस को इस घोटाले का पता चला जब उसने गणेश लाल चौधरी कॉलेज के एक छात्र की मार्कशीट में मिलीं विसंगतियों की जांच की। यह कॉलेज गुवाहाटी यूनिवर्सिटी से संबद्ध है। पुलिस इस मामले में जांच का दायरा बढ़ा रही है। इसमें और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

कॉलेज ने अजीजुल हक की मार्कशीट में विसंगतियों को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। मार्कशीट में उसके वास्तविक अंकों के बजाय ज्यादा अंक लिखे थे। पूछताछ के दौरान छात्र ने स्वीकार किया कि उसने पहले, तीसरे, चौथे और पांचवें सेमेस्टर में अपने अंक बदलवाने के लिए 10,000 रुपये दिए थे।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, गुवाहाटी विश्वविद्यालय में मार्कशीट से संबंधित कंप्यूटर सिस्टम को संचालित करने के लिए जिम्मेदार लोग छात्रों से उनके अंक बढ़ाने के लिए पैसे लेते हैं।

सरमा ने कहा, बारपेटा में छह मामले सामने आए हैं। मामले का मुख्य आरोपी पकड़ा गया है। पिछले सात दिनों से मेरी निगरानी में मामले का विश्लेषण किया जा रहा है। इसकी गहराई से जांच की जा रही है।

के. कविता की जमानत अर्जी पर फैसला सुनाएगा दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के। कविता की जमानत अर्जी पर दिल्ली हाईकोर्ट सोमवार को अपना फैसला सुनाएगा। कोर्ट ने कविता की दोनों जमानत अर्जियों पर आदेश सुरक्षित रख लिया था।

कविता ने निचली अदालत के छह मई के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें भ्रष्टाचार के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के मामले के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के धन शोधन मामले में उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी।

कविता के वकील ने कहा था कि कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में 50 आरोपियों में से वह (कविता) अकेली महिला हैं और अदालत से अनुरोध किया कि उन्हें जमानत देने पर विचार किया जाए।

यह घोटाला दिल्ली सरकार की 2021-22कीआबकारी नीति के कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार एवं धन शोधन से संबंधित है। हालांकि, इस नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था। ईडी ने कविता(46)को 15 मार्च को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था।

जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने आर्मी चीफ का चार्ज लिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को नए आर्मी चीफ का चार्ज संभाला। जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख हैं। वे इसी साल 19 फरवरी को वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बने थे। आर्मी चीफ बनने पर द्विवेदी लेफ्टिनेंट जनरल से जनरल रैंक पर प्रमोट हुए हैं। भारत सरकार ने 11 जून की रात उन्हें आर्मी चीफ बनाने का ऐलान किया था। इससे पहले वे सेना के वाइस चीफ, नॉर्दर्न आर्मी कमांडर, डीजी इन्फेंट्री और सेना में कई अन्य कमांड के प्रमुख के रूप में काम कर चुके हैं।

जनरल द्विवेदी ने आर्मी चीफ के तौर पर जनरल मनोज पांडे की जगह ली है। जनरल मनोज पांडे आज ही रिटायर हुए हैं। लास्ट वर्किंग डे पर सेना की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे 26 महीने तक आर्मी चीफ रहे।

टी20 वर्ल्ड कप जीत कर विश्व विजेता बनने पर भारत को देश-दुनिया ने दी बधाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। डेथ ओवर का मैच सही में डेथ ओवर की तरह लग रहा था। भारत ने इस डेथ ओवर में साउथ अफ्रीका के हाथों से जीत छीन ली। इस जीत के बाद देश और दुनिया से टीम इंडिया को बधाईयां आनी शुरु हो गई हैं। भारत में इजरायल के वर्तमान राजदूत ने भी इंडियन टीम को बधाई दी है। उनहोंने एक्स पर पोस्ट में लिखा ' चक दे इंडिया क्ष्टी20वर्ल्डकप2024 में शानदार जीत के लिए टीमइंडिया को बधाई। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने भी टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है।

भारत की जीत पर अमेरिका ने भी बधाई दी है। मालूम हो कि टी-20 वर्ल्ड के कुछ मैच वेस्टइंडीज में तो कुछ अमेरिका में हुए थे। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने टीम इंडिया को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा 'वाह, शानदार जीत। देश के जाने माने बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी टीम इंडिया को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा 'नमस्ते चैट जीपीटी 4.६ कृपया मुझे भारतीय क्रिकेट टीम को सुपरहीरो के रूप में दिखाने वाली एक तस्वीर बनाकर दें क्योंकि वे अंत तक सुपरकूल थे। उन्होंने हम सभी को याद दिलाते हुए कि सुपरहीरो बनना कभी भी जीतने के दृढ़ संकल्प और कभी हार न मानने वाले रवैये के बिना नहीं आता है। जय हो! इसके साथ ही गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने अपनी पोस्ट में लिखा 'क्या खेल था, सांस लेना मुश्किल था, वो सब कुछ जो खेल को अविश्वसनीय बनाता है। बधाई इंडिया, बहुत बढ़िया, इसके हकदार! दक्षिण अफ्रीका का खेल अविश्वसनीय था। कमाल।

जन हितैषी

भारत भूला पंचशील का सिद्धांत, चीन ने याद दिलाई

29 अप्रैल 1954 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील के सिद्धांत की स्थापना की थी। भारत,चीन और म्यांमार के बीच की सीमा विवाद सुलझाने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने तीनों देशों के नेताओं के साथ मिलकर पंचशील के सिद्धांत पर 1954 में सहमति बनाई थी। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता, आपसी सम्मान,आपसी गैर आक्रामकता, एक दूसरे के आंतरिक मामलों में गैर हस्तक्षेप, समानता के आधार पर पारस्परिक लाभ, शांतिपूर्ण अस्तित्व, पंचशील के सिद्धांत हैं। इसी सिद्धांत पर भारत ने अपनी विदेश नीति बनाई। पिछले 70 वर्षों में यह सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया गया। भारत ने 60 वर्ष तक पंचशील के सिद्धांत की नीति पर काम किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका को समय समय पर सराहा गया। जब भी दुनिया के देशों के बीच मतभेद युद्ध के स्तर तक पहुंचे। उस समय भारत ने पंचशील सिद्धांत के आधार पर विश्व मंच पर अपनी भूमिका निभाई। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद में भारत की भूमिका हमेशा समन्वय की रही है। इसी नीति के कारण भारत की सारे विश्व में विशिष्ट पहचान रही है। 28 जून 2024 को पंचशील सिद्धांतों की 70वीं वर्षगांठ का आयोजन किया गया था। इसमें भारत को भी आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन में भारत की कोई सहभागिता नहीं रही। जबकि इसका आयोजन भारत सरकार को ही करना चाहिए था। इस आयोजन में चीन के राष्ट्रपति, श्रीलंका के राष्ट्रपति, गयाना के राष्ट्रपति और एशियाई देशों के कई राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। इस समारोह में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दुनिया में बढ़ रहे संघर्ष को रोकने के लिए पंचशील सिद्धांतों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा पिछले 70 सालों में बार-बार साबित हुआ है। पंचशील के सिद्धांतों से ही सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटा जा सकता है। एकता, सहयोग, आपस का संवाद और समझ दुनिया के सभी देशों के बीच में जरूरी है। दुनिया का विकास, शांति से ही संभव है। शांति ओर साझा विकास को बढ़ावा देने के लिए पंचशील के सिद्धांत ही सारी दुनिया को बेहतर दिशा दे सकते हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत को पंचशील के सिद्धांतों की याद दिलाते हुए, भारत की भूमिका याद दिलाई। पंचशील के सिद्धांत की स्थापना भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और चीन के प्रधानमंत्री चाउ एनलाई के संयुक्त प्रयास से यह सिद्धांत अस्तित्व में आया था। एशियाई देशों के विवादों को सुलझाने के लिए इस सिद्धांत पर काम किया गया। इसके सार्थक परिणाम निकले। बाद में अंतरराष्ट्रीय विवादों में पंचशील के सिद्धांतों पर आधारित भारत की भूमिका अति महत्वपूर्ण रही। भारत कभी भी किसी एक पक्ष के साथ नहीं रहा। निष्पक्षता के साथ भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी बात रखी। सभी देशों के बीच समन्वय बनाने मे निर्वावाद भूमिका रही। पिछले एक दशक में दुनिया की महाशक्तियों के बीच आर्थिक एवं प्राकृतिक संपदा पर कब्जा करने के लिए तरह-तरह के प्रयास किये जा रहे हैं। महाशक्तियों के बीच घातक हथियारों की होड़ लगी हुई है। जैविक और रासायनिक हथियार भी प्रयोग में लाये जाने की संभावना बन गई है। कई देश जैविक और रासायनिक युद्ध लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। आणविक और घातक हथियार तो पहले से ही हैं। दुनिया के सभी देशों के बीच में टकराव बढता जा रहा है। चीन,अमेरिका और रूस के बीच मे टकराव बना हुआ है। तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बन गई है। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। इसराइल और फिलीस्तीन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। इस युद्ध में लाखों लोगों की मौत हो चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति के कोई प्रयास सफल नहीं हुए। पिछले 30-40 वर्षों में युद्धरत देशों में जो विकास हुआ था। वह पूरी तरह से नष्ट होता हुआ दिख रहा है। मानव जीवन बड़ा कष्ट पूर्ण हो गया है। आर्थिक आधार भी नष्ट हो चुका है। ऐसे समय में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पंचशील सिद्धांतों की अहमियत समझ में आई है। चीन की कोई विश्वासनियता नहीं है। ऐसी स्थिति में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है। जो दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए पंचशील के सिद्धांत पर, दुनिया के देशों के बीच समन्वय बनाने की दिशा में भूमिका अदा कर सकता है। पिछले 10 वर्षों से भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सत्ता है। वह पुराने इतिहास को छोड़कर, वर्तमान में ही नया इतिहास लिखने की राह पर चल रहे हैं। भारत को यह समझना होगा। भूत से वर्तमान बनता है। वर्तमान से हम भविष्य की संरचना के लिए आगे बढ़ते हैं। भूत, वर्तमान और भविष्य को अलग-अलग नहीं किया जा सकता है। भविष्य में ही इतिहास का आकलन हो सकता है। भूत से सबक लेना होता है। वर्तमान में क्रिया करनी पड़ती है। उसके बाद ही भविष्य तय होता है। पंचशील के सिद्धांत से भारत का दूर होना चिंता का विषय है। चीन के राष्ट्रपति को पंचशील सिद्धांतों की समझ आ गई है। ऐसी स्थिति में भारत को भी पंचशील सिद्धांतों की अहमियत को समझते हुए आगे बढ़ना होगा। तभी देश और दुनिया का भला हो सकता है। पंचशील का सिद्धांत ही हमें सारी दुनिया में विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में सहायक सिद्ध होगा।

पहाड़, अब सौंदर्य नहीं विनाश के प्रतीक

गर्मियों से परेशान होकर प्रायः लोग पहाड़ों का रुख़ करते हैं। पहाड़ों पर जहां कम तापमान के चलते पर्यटकों को गर्मी से निजात मिलती है तथा शरीर व मस्तिष्क को सुकून मिलता है वहीँ हमेशा से ही पहाड़ों का प्राकृतिक सौन्दर्य,ऊँची ऊँची गगन चुम्बी चोटियां,हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं,ग्लेशियर्स,पहाड़ों के लगभग हर मोड़ पर बहने वाले झरने,हरे भरे जंगल, ऑक्सीजन से परिपूर्ण ताज़ी आब-ो-हवा,गर्मी में भी सर्दी का एहसास दिलाने वाला वातावरण भी पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। परन्तु अब पहाड़ों की हक़ीक़त बदलने लगी है। हिमाचल प्रदेश की शिमला जैसी प्राकृतक सौंदर्यों से भरपूर ठंडी व ख़ूबसूरत राजधानी भी अब जनसँख्या,पर्यटकों व वाहनों के बढ़ते बोझ के कारण गर्मी का एहसास दिलाने लगी है।

पिछले दिनों भीषण गर्मी से निजात पाने के लिये पर्वतीय सीमा क्षेत्र सांगला की लगभग 400 किलोमीटर की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान पहाड़ों की जो स्थिति देखी वह अत्यंत दुखदायी थी। ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं अब हिम रहित हो चुकी हैं। जिन पर्वत श्रृंखलाओं पर करोड़ों वर्षों से बर्फ़ की मोटी चादर ढकी हुई थी वे अब अपना हिमावरण उतार चुकी हैं और पत्थरों के पहाड़ साफ़ नज़र आ रहे हैं। हिम रहित पर्वत श्रृंखलाओं के चलते ग्लेशियर भी लगभग समाप्त हो गए हैं। इसकी वजह से हिमाचल प्रदेश में लगभग पूरे वर्ष कल कल कर बहने वाले शीतल जल के झरने अब सूख चुके हैं। लगभग चार दशकों से पर्वतीय अंचलों की यात्रा के दौरान विभिन्न पर्वतीय राज्यों में मैं ने देखा है कि जिस जगह झरने /चश्मे प्रवाहित होते थे वहां पर्यटकों की अच्छी ख़ासी भीड़ जमा हो जाती थी। कोई नहाता था कोई अपनी गाड़ियां धोता था ,कोई शीतल जल पीकर सुकून हासिल करता था। लोग फ़ोटो खींच कर अपनी पर्वतीय यात्रा के यादगार लम्हों को कैमरों में क़ैद कटे थे। कुछ स्थानीय लोग मक्के की छल्लियाँ या ऋतु के अनुसार कोईस्थानीयफल आदि बेचकर अपना जीविकोपार्जन किया करते थे। परन्तु अब तो यह बातें गोया कहानी क़िस्से बन चुकी हैं।

पहाड़ शुष्क हो रहे हैं। पहाड़ों पर गर्मी बढ़ती जा रही है। शुष्क पर्वतों में भूस्खलन तेज़ी से हो रहा है। उस पर सोने पर सुहागा यह कि विकास के नाम पर सड़कों का चौड़ीकरण करने के लिये पर्वतों को काटा जा रहा है जिससे करोड़ों पेड़ धराशायी हो रहे हैं। पहाड़ों पर तेज़ धार से बहने वाली सतलुज,बसपा व स्पीति जैसी अनेक नदियां अब गोया नदी के बजाये नालों की शक्ल ले चुकी हैं। विद्युत उत्पादन के चलते जगह जगह इन नदियों की धार को रोककर जल विद्युतउत्पादन संयंत्र भी लगाए गए हैं। उधर पर्यटकों की संख्या भी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इसकी वजह से वाहनों का तांता लगा रहता है। पर्वतीय क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ने का यह भी एक अहम कारण है। ज़ाहिर है इस विश्वस्तरीय आपदा का ज़िम्मेदार और कोई नहीं बल्कि स्वयं मानव है जिसके चलते स्वर्ग रुपी सुन्दर पृथ्वी दिन प्रतिदिन नर्क बनती जा रही है। लिहाज़ा यह कहना ग़लत नहीं होगा कि चित्त को चैन व आँखों को सुकून देने वाले पहाड़ अब सौंदर्य नहीं बल्कि विनाश के प्रतीक बनते जा रहे हैं। (लेखक-तनवीर जाफ़री/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8054

1	2		3		■	4	5	
6		■		■	7			■
	■	8		9	■	■	10	
11			■	12		13		■
	■		■		■		■	14
■	15				■	16		
17		■	■	18	19		■	
■	20	21		■		■	22	
23			■	24				

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8053 का हल

ती	रं	दा	ज	■	को	म	लां	गी
ब	■	म	न	भ	र	ना	■	ज
ता	र	■	■	र	■	■	स	र
■	म	■	क	म	र	■	मा	■
प्र	ता	ड़	ना	■	स	र	ज	मीं
■	जो	■	त	र	ना	■	वा	■
बा	गी	■	■	सी	■	■	दी	न
य	■	ल	खी	ला	प	न	■	य
स	ना	त	न	■	र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

क्रिकेट की विश्वगुरु टीम को सलाम

एक लम्बे अरसे से न क्रिकेट का खेल देखा और न इसके बारे में लिखा। वैसे भी क्रिकेट के बारे में मेरा ज्ञान लगभग शून्य ही है । एक जमाना था जब जनसत्ता के हमारे सम्पादक स्वर्गीय प्रभाष जोशी ने मुझसे क्रिकेट के ग्वालियर में हुए अनेक अंतर्राष्ट्रीय मैचों का कव्हरेज जबरन कराया था। शनिवार की रात अमेरिका में टी-20 क्रिकेट का फाइनल देख रहे मेरे बेटे ने मुझे एक बार फिर खेल देखने के लिए प्रेरित किया और युगों बाद मैंने न केवल पूरा मैच देखा बल्कि उन स्वर्णिम क्षणों का साक्षी भी बना जो हर हिंदुस्तानी के लिए गौरव के क्षण कहे जा सकते हैं।

दरअसल पिछले अनेक वर्षों से सम-सामयिक विषयों पर लिखते-लिखते मेरी खेलों से रूचि लगभग समाप्त हो गयी थी । खेलों में राजनीति ने भी इसमें अपनी भूमिका निभाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पर थैली शाहों के बेटों को देखकर क्रिकेट के भाग्य पर तरस आता है। आप आश्चर्य करेंगे कि मै अभी तक अपने शहर में बनाये गए नए क्रिकेट स्टेडियम को देखने तक नहीं गया ,क्योंकि हमारे यहां भी क्रिकेट एक परिवार की दासी बनी हुई है। । लेकिन शनिवार की रात मुझे लगा कि हम भले ही राजनीति में विश्व गुरु न बने हों किन्तु क्रिकेट के खेल में तो आज विश्व गुरु हैं ,और इसका श्रेय किसी मोशा की जोड़ी को नहीं बल्कि उन क्रिकेटरों को जाता है जो सचमुच भारत के मान-सम्मान के लिए खेलते हैं।

फाइनल मैच की कमेंट्री पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू कपिलशर्मा शो के जज की ही तरह फुल फार्म में कर रहे थे।चूंकि भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया था इसलिए मुझे भी मैच ने बाँध लिया। एक लम्बे अरसे बाद मुझे चौके और छक्के देखने का रोमांच हुआ। मैच में हालांकि रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव इस मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके ,मगर उसके बार विराट कोहली और अक्षर पटेल के बीच 72 रन की साझेदारी ने टीम इंडिया की मैच में वापसी कराई । अक्षर पटेल ने 31 गेंद में 47 रन और विराट कोहली ने 59 गेंद में 76 रन की पारी खेली. शिवम दुबे ने भी 16 गेंद में 27 रन की पारी खेलकर भारत को 176 रन तक पहुंचने में मदद क। नवजोत सिंह का अनुमान था कि भारत 180 रन का लक्ष्य पार कर लेगा लेकिन भारत ये लक्ष्य पाने से 4 कदम पीछे रह गया।

अमूमन रात को 10 बजे सो जाने वाले इस बन्दे ने पूरे साहस के साथ फाइनल मैच देखा। मेरे ख्याल से दक्षिण अफ्रीका के लिए शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि रीजा हेंड्रिक्स और कप्तान एडन मार्करम चार-चार रन बनाकर आउट हो गये । लेकिन क्विंटन डी कॉक और ट्रिस्टन स्टब्स ने 68 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका की मैच में वापसी करवाई बल्कि मैच के रोमांच को भी बनाये रखा । स्टब्स ने 21 गेंद में 31 रन और डी कॉक ने 31 गेंद में 39 रन की पारी खेली । हेनरिक क्लासेन तब बैटिंग के लिए क्रीज़ पर उतरे जब दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 3 विकेट पर 70 रन बना लिए थे । क्लासेन ने यहां से ताबड़तोड़ बैटिंग शुरू की और उन्होंने मात्र 23 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 2 चौके और 5 छक्के लगाकर अपना अर्धशतक पूरा कर दिखाया। क्लासेन ने 27 गेंद में 52 रन बनाए। 15वें ओवर में क्लासेन ने अक्षर पटेल के 24 रन बटोरे जहां से मैच पूरी तरह पलटा हुआ नजर आने लगा था। भारत ने गेंदबाजी के दम पर वापसी की वो भी आखिरी 4 ओवरों में

जैसा कि आप सभी ने देखा होगा कि 16 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट के नुकसान पर 151 रन बना लिए थे। अफ्रीका को आखिरी 4 ओवर में जीत के लिए 26 रन बनाने थे। 17वें ओवर की पहली ही गेंद पर हार्दिक पांडया ने क्लासेन को आउट कर दिया । अगले 2 ओवरों में सिर्फ 6 रन आए। 19वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने केवल 4 रन दिए, जिससे मैच का रुख भारत की ओर हो गया। आखिरी ओवर में हार्दिक पांडया ने केवल 8 रन देकर भारत की 7 रन से जीत सुनिश्चित की।

पूरे सत्रह साल बाद मिली इस विजय से मुझे एक बार लगा कि जैसे ये एक सपना है ,लेकिन बारबाडोस से लेकर दिल्ली और ग्वालियर में जब आधी रात को जश्न शुरू हुआ तो यकीन करना ही पड़ा कि हम क्रिकेट के विश्व गुरु फिर बन गए हैं। इतना जश्न देश में एनडीए गठबंधन की सरकार के तीसरी बार सत्ता में वापस लौटने के बाद भी शायद नहीं मनाया गया था। दरअसल खेलों में खिलाडी पुरुषार्थ दिखाते हैं। खेलों में अदावत नहीं होती ,प्रतिस्पर्द्धा होती है। खेलों में कोई फैसला संसद की तरह ध्वनिमत से नहीं होता। मै भारतीय क्रिकेट टीम की इस महान उपलब्धि से गदगद हूँ। मै हमेशा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ की वो हमारे देश की सियासत को अदावत से बचाकर उसमें प्रतिस्पर्द्धा और खेल की भावना भर दे। सियासत में भी नेता अपनी पारी समाप्ति की घोषणा खुद करें । कब्र में पैर लटकने तक कुर्सी से चिपके न रहें । खेलों से सीखें कि नयी पीढ़ी के लिए पुरानी पीढ़ी कैसे रास्ता छोड़ती है ? भारतीय राजनीति को क्रिकेट के विराट कोहली चाहिए रोम के नीरो नहीं पूरी भारतीय टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई ,क्योंकि वर्षों बाद हम भारतीयों का सीना एक बार फिर 56 इंच का हुआ है। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

असुविधा की सड़कों का टोल-टैक्स ज्यादती है

बेहतर सेवाओं के नाम पर सरकारें कई तरह के शुल्क वसूलती है, इसमें कोई आपत्ति एवं अतिश्योक्ति नहीं है। लेकिन सेवाएं बेहतर न हो फिर भी उनके नाम पर शुल्क या कर वसूलना आपत्तिजनक एवं गैरकानूननी है। यह एक तरह से आम जनता का शोषण है, धोखाधड़ी है। राजमार्ग एवं अन्य मार्गों पर बेहतर एवं सुविधाजनक सड़कों के नाम पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन विडम्बना एवं त्रासदी यह है कि टूटी-फूटी सड़कों के नाम पर भी टोल वसूला जाता है, जो अन्यायपूर्ण एवं आपत्तिजनक है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान में जनता के इस बड़े होते दुःख, धोखाधड़ी एवं शोषण पर न केवल दुःख जताया बल्कि ऐसी जबरन की जा रही वसूली को रोकने के लिये अधिकारियों को चेताया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। रोड टैक्स का उपयोग राज्य के भीतर सड़कों के रखरखाव और विकास के लिए किया जाना चाहिए न कि सरकार की आमद को बढ़ाने के लिये। ऐसे अनेक उदाहरण है कि बिना सुविधा एवं आवश्यकता के भी टोल टैक्स वसूला जा रहा है। राज्य सरकारें भी स्वतंत्र रूप से टोल वसूलती है। दूसरी ओर, टोल टैक्स एक उपयोगकर्ता शुल्क है जिसे वाहन मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या निजी ठेकेदारों को कुछ टोल सड़कों, जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, पुल और सुरंगों का उपयोग करने के लिए देना पड़ता है। जो अन्य सड़कों की तुलना में इन सड़कों को उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की माना जाता है। निश्चित रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क-क्रांति की है बल्कि व्यवस्था की खामियों को सुधारने के भी सराहनीय प्रयास किये हैं।

किसी देश को विवेकपूर्ण, बेहतर सुविधाओं एवं विकास के नये मानकों के साथ चलाने के लिए सरकार को पात्र नागरिकों से बेहतर सुविधाओं के लिये कर एकत्र में कोई ऐतराज नहीं है; लेकिन सड़कें हो या अन्य सुविधाएं, अच्छी नहीं होने पर भी टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने पर उपभोक्ता स्वयं को ठगा हुआ एवं शोषित महसूस करता है, जिसके कारण टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने वाली एजेन्सियों के खिलाफ शिकायतें बढ़ती जा रही है। टोल टैक्स प्रणाली सरकार या निजी ठेकेदारों के लिए राजस्व सृजन का स्त्रोत नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता के लिए बेहतर और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने का साधन होनी चाहिए। निश्चित तौर पर गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी एवं अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर भी लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने की स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही है। इन स्थितियों को लेकर आम जनता एवं उपभोक्ताओं में विरोध एवं विद्रोह पनप रहा है, इसलिये सरकार एवं ऐसी एजेन्सियों के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। किसी भी विभाग को अपनी खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली-पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार होना चाहिए।

नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक-जीवन को न केवल अस्त-व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है। लेकिन बिना सुविधा के भी टैक्स वसूलने की स्थितियां सरकार पर बदनूमा दाग है और ऐसे दाग लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बहरहाल बात राजमार्गों पर वसूले जा रहे गैर वाजिब टोल टैक्स के बढ़ने की चिन्ता का है, जो एक त्रासदी है। इसी त्रासदी को केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा और कहा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमसे टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम एवं स्वागतयोग्य कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की ऐसी कारगुजारियों एवं ज्यादतियों पर नजर रखनी चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि ऐसी शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए।

कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, गैरवाजिब टोल टैक्स वसूला जाना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स चुकाने के लिये घंटों लाइन में लगना भी एक बड़ी समस्या है, भले ही इस समस्या से मुक्ति के लिये सरकार ने कदम उठाये हैं, फास्टैग व्यवस्था के लागू करने से लाइनें छोटी हुई है। आज 98 प्रतिशत वाहनों में स्मार्ट टैग के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा रही है। निश्चित तौर पर राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है, पेट्रोल-डीजल में बचत हुई है एवं यातायात सुगम बना है। मोदी सरकार ने सड़कों को सुविधाजनक बनाया है। आने वाले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल संग्रह प्रणाली को अंजाम देने की तैयारी में है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिर टोल प्लाजा पर गाड़ी धीमी करने व रोकने की भी जरूरत नहीं रहेगी। इसे देश में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। यह व्यवस्था सड़क-क्रांति को एक नई दिशा देगा। दरअसल, यह नया सिस्टम न केवल सही ट्रैकिंग कर पाएगा बल्कि यह राजमार्ग पर उपयोग की गई दूरी के आधार पर सटीक टोल गणना भी करेगा। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में कार निर्माता कंपनियां अपने वाहनों पर ट्रैकिंग डिवाइस लगाएं। प्रारंभ में इस सिस्टम को प्रमुख हाईवे व एक्सप्रेस-वे पर लागू किया जाएगा। इसके बावजूद सरकार के लिये यह जरूरी है कि वह सड़कों की गुणवत्ता को बनाये रखे एवं गुणवत्ता वाली सुविधा की सड़कों पर ही टोल वसूले।

राजमार्गों पर यात्रा करने के दौरान आपके बैंक खाते या डिजिटल वॉलेट से पैसा कट जाता है। इसमें भी गलत तरीके से पैसे कटने की शिकायतें बढ़ती जा रही है। किसी व्यक्ति के फास्टैग से बिना टोल से गुजरे टोल टैक्स काट लिया जाता है या ज्यादा टोल वसूल लिया जाता है, जो उपभोक्ताओं के लिये परेशानी का सबब है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सड़क निर्माण और रखरखाव के अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल रहा है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि एचएचआई ने टोल अनुबंधों को आकार देने और निगरानी के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया है और टोल सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की है। रिपोर्ट में टोल संग्रह प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी और दोषपूर्ण टोल प्लाजा, ओवरचार्जिंग और लंबी कतारों के कारण सड़क उपयोगकर्ताओं को होने वाली परेशानी और असुविधा पर भी प्रकाश डाला गया है। इन सभी हालातों को देखते हुए भारत में राजमार्गों एवं सुविधा की सड़कों के नाम पर हो रही टोल टैक्स वसूली को औचित्यपूर्ण एवं न्यायसंगत बनाने की अपेक्षा है। सुविधा के नाम असुविधाओं, असुरक्षा एवं धोखाधड़ी की बढ़ती स्थितियों को गंभीरता से लेना होगा। (लेखक - ललित गर्ग /ईएमएस) (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

चहल, सैमसन और यशस्वी बिना खेले ही बन गये चैंपियन

बारबाडोस (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने एक दशक के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती है , इसके लिए टीम के सभी खिलाड़ियों ने दबाव में आये बिना ही शानदार प्रदर्शन किया। इससे टीम में बेहद खुशी का माहौल है। टीम को 13 साल के बाद खिताब मिला है। इससे पहले टीम ने 2014 में चैम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। उसके बाद से ही टीम सेमीफाइनल या फाइनल में हार से बाहर हो जाती थी। इस विश्वकप में युजवेंद्र चहल, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल ऐसे खिलाड़ी रहे जिन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रुप से हुए इस विश्वकप में 8 मैच खेलकर सभी में जीत दर्ज की। इस दौरान चहल, सैमसन और यशस्वी को एक भी मैच में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। चहल टीम में दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर थे। वहीं पहले नंबर पर कुलदीप यादव थे। कुलदीप ने टूर्नामेंट में शुरु से इतना प्रभावी प्रदर्शन किया कि चहल को अवसर ही नहीं मिल पाया। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इसलिए अवसर नहीं मिला क्योंकि विकेकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग में अपने प्रदर्शन से टीम को किसी और नाम पर विचार करने ही नहीं दिया। यह लगातार दूसरा विश्व कप है, जब युजवेंद्र चहल टीम में तो चुने गए, लेकिन अंतिम ग्याहर में जगह नहीं बना सके। युजवेंद्र और सैमसन को पहले ही इस बात का अंदाजा रहा होगा कि उन्हें शायद ही अंतिम ग्याहर में जगह मिले पर यशस्वी साथ ऐसा नहीं हैं। वे टीम के विशेषज्ञ ओपनर हैं। टीम में रोहित के अलावा सिर्फ वही एक विशेषज्ञ ओपनर थे। ऐसे में यशस्वी को अंतिम ग्यारह में जगह की उम्मीद थी पर रोहित ने टीम में बदलाव नहीं किया जिससे उनकी उम्मीदें पूरी नहीं हुईं। भारतीय क्रिकेट टीम के साथ रिंकू सिंह और खलील अहमद भी साथ रहे। इन दोनो को रिजर्व के प्लेयर के तौर पर टीम के साथ भेजा गया था।

हार को पचा पाना मुश्किल ,आने वाले टूर्नोमेंटों के लिए सुधार करेंगे : मारक्रम

ब्रिजटाउन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान एडेन मारक्रम ने भारतीय टीम के हाथों फाइनल में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि इसे स्वीकार करना बेहद मुश्किल है क्योंकि ये बेहद करीबी मुकाबला था। साथ ही कहा कि इस हार का दुख उन्हें हमेशा रहेगा पर टीम इससे सबक लेते हुए आगे आने वाले टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेगी। दक्षिण अफ्रीकी टीम खिताबी मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम 30 गेंद में 30 रन नहीं बना पायी।

अंतिम ओवरों में भारतीय टीम के गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांडया ने जबरदस्त गेंदबाजी की जबकि सूर्यकुमार यादव ने एक बेहद कठिन कैच कर मैच भारत के हाथों में ला दिया। मारक्रम ने मैच के बाद कहा, 'यह क्रिकेट का पहला मैच नहीं है जिसमें 30 गेंदों में से 30 की जरूरत वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अच्छी गेंदबाजी और कमाल के क्षेत्ररक्षण से शानदार वापसी की और ऐसे में जीत का श्रेय उसे जाता है।

कप्तान ने कहा, 'अभी किसी एक चीज को हार का कारण नहीं कहा जा सकता है। हम अगले कुछ दिनों में अपनी गलतियों पर विचार करेंगे और उन क्षेत्रों को ढूंढने का प्रयास करेंगे जिसमें हमें सुधार करना है। हम इसके साथ ही उन चीजों के बारे में भी सोचेंगे जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा रहा है।

हार के बाद भी कप्ताने ने कहा कि जिस प्रकार टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी उसके लिए मुझे टीम पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'मैं यह बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों पर काफी गर्व है। हम सिर्फ आज के प्रदर्शन से नहीं बल्कि टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट और उससे पहले तैयारियों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। मारक्रम ने कहा, 'यह हार दर्द देने वाली है लेकिन इससे आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम की इच्छा शक्ति बढ़ेगी।

खेल - समाचार

जीत के बाद रोहित ने मैदान में लगाया तिरंगा

बारबाडोस (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टीम के टी20 खिताब जीतने के बाद मैदान पर तिरंगा झंडा लगा दिया। भारतीय टीम को इस क्षण का पिछले 13 साल से इंतजार किया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने पहले ही कहा था कि भारतीय टीम रोहित की कप्तानी में इस बार टी20 विश्वकप जीतेगी जो अब सही साबित हुआ है। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी।

रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में जीत के बाद बारबाडोस के मैदान पर तिरंगा लगा दिया। इस दौरान रोहित के साथ तिरंगा लिए जय शाह और उपकप्तान हार्दिक पंडया भी मौजूद थे। इससे पहले इसी साल 14 फरवरी 2024 को एक कार्यक्रम में जय शाह ने विश्वकप का कार्यक्रम जारी करते हुए कहा था की हम टी20 विश्व कप में झंडा लगायेंगे। तब टी20 विश्व कप 2024 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी थी पर ये तय नहीं था कि कप्तान कौन रहेगा। इसके बाद जय शाह का एक बयान मीडिया में आया था जिसमें उन्होंने ये उम्मीद जताई थी की भारतीय टीम रोहित की कप्तानी में ही टी20 विश्व कप खेलेगी। तब उन्होंने कहा थ कि भले ही टीम अहमदाबाद में एकदिवसीय विश्वकप का फाइनल नहीं जीत पायी पर वह इस बार टी20 खिताब जीतेगी। अब शाह की वही बात सफल हुई है।

जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास लिया

बारबाडोस (ईएमएस)। ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा कर दी है हालांकि वह अन्य प्रारुपों में खेलते रहेंगे। जडेजा ने ड्रेसिंग रूम में विश्व कप ट्रॉफी के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया के जरिये अपने संन्यास की जानकारी दी है। इससे पहले भारतीय टीम की जीत के बाद कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की थी। इस प्रकार अब तक तीन खिलाड़ियों ने खेल को अलविदा कह दिया है।

जडेजा ने लिखा, मैं गर्व के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को अलविदा कहता हूं। मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास किया है। वहीं अन्य प्रारूपों में अब भी मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करता रहूंगा। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप जीतना एक सपना सच होने जैसा था, मेरे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का एक शिखर। यादों, जयकारों और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद।

जडेज ने टीम में जगह मिलने के बाद से ही लंबा सफर तय किया है। इस बार हालांकि वह अपने नाम के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। फरवरी 2009 में श्रीलंका के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से उन्होंने 74 मैचों खेलते हुए कुल 515 रन बनाए हैं और 54 विकेट लिए हैं। बल्लेबाजी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ रहा जिसमें उन्होंने 29 गेंदों में46 रन बनाएथे। वहीं गेंदबाजी करते हुए उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 2021 टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ था, जिसमें उन्होंने 15 रन देकर तीन विकेट लिए थे। जडेजा आक्रामक बल्लेबाजी , स्पिनर गेंदबाजी के अलावा अपनी शानदार फिल्डिंग के लिए भी जाने जाते हैं।

स्नेह राणा की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीकी टीम 266 रनों पर सिमटी

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां मेहमान दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच में 337 रनों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम की इस बढ़त में स्नेह राणा की अहम भूमिका रही। स्नेह ने इस मैच में आठ विकेट लेकर विरोधी टीम की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। स्नेह की गेंदबाजी के सामने बेबस दक्षिण अफ्रीकी टीम अपनी पहली पारी में 266 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार भारतीय टीम को 337 रनों की बढ़त मिल गयी। इससे पहल भारतीय टीम ने इस मैच में 603 रनों का बड़ स्कोर बनाया था।

इसी का पीछा करते हुए आज सुबह दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 236 रनों से आगे खेलना शुरु किया। मैरिजान कप्प 69 और नडीन डी 27 ने आगे खेलना शुरु किया पर राणा ने शुरुआत ओवर में ही मैरिजान कप्प 74 को पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका की बची हुई टीम केवल 30 रन और बनाकर आउट हो गयी। नडीन डी 39, सिनालो जाफ्टा शून्य, अनरी डकर्सन 5, मासाबाटा क्लास 1 और नोनकुलुलेको म्लाबा 2 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 266 रनों पर ही आउट हो गयी।

इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 337 रनों की बढ़त मिल गयी। भारत की ओर से राणा ने 77 रन पर आठ विकेट लिये। वहीं दीप्ति शर्मा ने 47 रन देकर दो विकेट लिए।

भारत को विश्व विजेता बनाने के बाद उत्साहित नजर आये रोहित-विराट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। टीम इंडिया ने फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं इस मौके पर भारतीय क्रिकेट के दो महान खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

पूरे टूर्नामेंट में संघर्ष करने वाले विराट कोहली ने फाइनल में मैच शानपदार पारी खेली जिसकी बदौलत टीम इंडिया को जीत हासिल हुई। दूसरी ओर, रणनीति के मास्टर रोहित शर्मा की रणनीति के दौलत भारत विश्व विजेता बन गया। विराट और रोहित मैदान पर एक-दूसरे के गले लगे और भावुक हो गए। उनकी आंखों में आंसू भर आए। वह दोनों रो रहे थे। दोनों ने कहा यह उनका टी20 का आखिरी विश्व कप है। वे जानते थे कि अब नीली जर्सी में इस फॉर्मेट में नहीं दिखेंगे। अपने खेल को टॉप पर छोड़ने वाले इन दोनों खिलाड़यों ने अपने फैंस को भी रुला दिया।

भारत ने आईसीसी ट्रॉफी के लिए 11 साल के इंतजार को खत्म करने के कुछ समय बाद ही कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की, जबकि कप्तान रोहित शर्मा ने भी कुछ ही देर बाद ऐसा ही कहा। रोहित, विराट और भारतीय टीम ने मिलकर जो कुछ किया, उसे देखते हुए बारबाडोस में कोई भी ऐसा नहीं था, जो भावुक नहीं था।

यहां तक कि रोते हुए रोहित ने भी कोहली को गले लगाया। टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के बाद कोहली ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चैंपियनशिप मैच के लिए बचाकर रखा। पावरप्ले में टीम के तीन विकेट गिरने के बाद विराट ने भारत की पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने पहले ओवर में तीन चौके लगाकर पारी की शुरुआत की और अंतिम ओवरों में गति पकड़ने से पहले 49 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। 59 गेंदों में 76 रन बनाकर विराट ने प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता और भारत को 176/7 का मजबूत स्कोर बनाने में मदद की। मैच के बाद कोहली ने टी20 प्रारूप से संन्यास की घोषणा की, रोहित ने कोहली की पारी को महत्वपूर्ण बताया और पिछले कुछ सालों में टीम के लिए उनके प्रयासों की तारीफ भी की।

टी20 विश्व कप जीत के साथ द्रविड़ बोले, कोच के तौर पर यात्रा अच्छी रही, रोहित की सबसे ज्यादा याद आयेगी

ब्रिजटाउन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 विश्व कप जीतने से उत्साहित मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि उनकी ये यात्रा काफी अच्छी रही। इसी के साथ ही द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल भी समाप्त हो गया। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी मुझे सबसे ज्यादा याद आयेगी।

द्रविड़ ने विश्व कप 2024 जीतने के लिए टीम के प्रति आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना एक अच्छा एहसास है। द्रविड़ ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर मैं ट्रॉफी जीतने के लिए भाग्यशाली नहीं रहा पर जब भी मैंने खेला, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया। मैं भाग्यशाली रहा कि मुझे ऐसी टीम का कोच बनने का अवसर मिला जिसने मुझे ट्रॉफी जीत कर दी। यह एक शानदार अहसास है हालांकि इसके लिए मैंने कोई सुधार नहीं किये। ये केवल वह काम था जो मैं कर रहा था। मुझे रोहित और उनकी टीम के साथ काम करना पसंद रहा है, यह एक शानदार यात्रा थी और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया।

द्रविड़ ने कप्तान रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास पर कहा कि कप्तान जिस तरह के व्यक्ति हैं, उससे मैं प्रभावित हूं। साथ ही कहा कि रोहित की प्रतिबद्धता मुझे पसंद है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें एक व्यक्ति के रूप में मिस करूंगा। जो चीज मुझे प्रभावित करती है, वह है कि वह उन्होंने मुझे जो सम्मान दिया है, टीम के लिए उनकी किस तरह की देखभाल और प्रतिबद्धता थी, उन्होंने किस तरह की ऊर्जा खर्च की और उन्होंने कभी पीछे कदम नहीं किये।

घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

- कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी ?निवेशकों की नजर

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से घरेलू शेयर बाजारों की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि बीते सप्ताह रिकॉर्ड तेजी के बाद ऊंचे मूल्यांकन की वजह से इस हफ्ते बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव पर भी नजर रखेंगे। बाजार ?विश्लेषकों ने कहा ?कि इस सप्ताह शेयर बाजार में संभावित रूप से उतार-चढ़ाव रहेगा। ऊंचा मूल्यांकन चिंता का विषय बना हुआ है। निवेशकों की नजरें अब मानसून की प्रगति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव पर रहेगी। जुलाई में आने वाले आम बजट पर भी सभी की नजरें है। बाजार में विकासोन्मुख नीतियों की उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बाजार में ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली देखने को मिली है। अमेरिका के रोजगार के आंकड़े दो जुलाई को आएंगे। इसके बाद तीन जुलाई को आईएसएम सर्विसेज पीएमआई आंकड़े जारी किए जाएंगे। साथ ही दो जुलाई को अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन है। एफओएमसी की बैठक का ब्योरा तीन जुलाई को जारी किया जाएगा। एक अन्य बाजार ?विश्लेषक कहते हैं ?कि बाजार का रुख प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। इस दौरान एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई, एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई, एसएंडपी ग्लोबल विनिर्माण पीएमआई, फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन, अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़े बाजार के लिए प्रमुख घटनाक्रम हैं। उनका कहना है ?कि हमें उम्मीद है कि बाजार की रफ्तार कायम रहेगी और शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिलेंगी। हालांकि, सप्ताह के दौरान आने वाले आर्थिक आंकड़ों की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। वाहन कंपनियां अपने मासिक बिक्री आंकड़े जारी करेंगी। ऐसे में उनके शेयरों पर सभी की नजरें रहेंगी।

शरद पवार बोले- महा विकास अघाड़ी साथ मिलकर लड़ेगा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

गठबंधन की छोटी पार्टियों संग आगे बढ़ेंगे

मुंबई(ईएमएस)। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव हैं। इंडिया ब्लॉक में शामिल कांग्रेस, एनसीपी (एससीपी) और शिवसेना (यूटी) महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी में भी शामिल हैं। रविवार को एनसीपी (एससीपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि कांग्रेस, शिवसेना (यूटी) और उनकी पार्टी मिलकर इस साल अक्टूबर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। पवार ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दलों की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे राज्य विधानसभा चुनावों में छोटे सहयोगियों के हितों की रक्षा करें, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में गठबंधन का हिस्सा थे।

पवार ने कहा कि विपक्ष महाराष्ट्र के लोगों के सामने एक सामूहिक चेहरा रखेगा। राज्य में बदलाव की जरूरत है और इसे पूरा करना विपक्षी गठबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है। शरद पवार ने आगे कहा कि महाभारत में अर्जुन का लक्ष्य मछली की आंख थी, इसलिए हमारी नजरें महाराष्ट्र में होने वाले चुनावों पर टिकी हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सीटों के बंटवारे पर बातचीत शुरू नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही शुरू होगी। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में लोगों ने तीनों ही पार्टियों को अच्छा रिस्पॉन्स दिया है। लेकिन इन तीन पार्टियों की तरह वामपंथी दल, किसान और श्रमिक पार्टी भी गठबंधन का हिस्सा थे, लेकिन हम उन्हें लोकसभा में सीटें नहीं दे सके। इन पार्टियों के हितों की रक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। विधानसभा चुनाव में इन पार्टियों के साथ आगे बढ़ने का प्रयास किया जाएगा। एकनाथ शिंदे सरकार के पेश किए राज्य बजट पर पवार ने कहा कि अगर आप खाली जेब लेकर बाजार जाते हैं तो क्या होता है? यह कुछ दिनों की बात है, जल्द ही वास्तविकता सामने आ जाएगी।

सरकार की रिपोर्ट में हुआ खुलासा 6 साल में 300 से ज्यादा अधिकारियों ने समय से पहले लिया रिटायरमेंट

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने 2014 और 2020 के बीच समय से पहले रिटायर्ड होने वाले अधिकारियों को लेकर जानकारी दी है। राज्यसभा के साथ साझा की गई जानकारी के अनुसार, 2014 और 2020 के बीच कुल 340 अधिकारी समय से पहले रिटायर्ड हो गए।

बता दें कि ग्रुप ए और बी कर्मचारियों के लिए, नियम एफआर 56 जे के तहत प्रीमैच्?योर रिटायरमेंट कर्मचारी को 50 साल से पहले दिया जा सकता है। यदि वह 35 साल की उम्र से पहले सेवा में शामिल हुआ है। ग्रुप सी के कर्मचारियों के लिए, सार्वजनिक हित प्रीमैच्?योर रिटायरमेंट समय से 30 साल की सेवा पूरी करने के बाद दिया जा सकता है।

30 साल के बाद रिटायरमेंट

वहीं नियम 48(1)(बी) भी सरकार को सार्वजनिक हित में 30 साल की सेवा पूरी करने के बाद किसी कर्मचारी को सेवानिवृत्त करने की अनुमति देता है। समय से पहले होने वाले रिटायरमेंट के लिए दिशानिर्देश डीओपीटी की तरफ से 2020 में जारी किए गए थे। ये संबंधित विभागों की तरफ से सरकारी कर्मचारियों के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए बनाए गए थे।

प्रीमैच्योर रिटायरमेंट के लिए जारी किए थे निर्देश

साथ ही प्रशासनिक मशीनरी को मजबूत करना और सरकारी कार्यों में मजबूती और सभी स्तरों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए ये दिशानिर्देश जारी किए गए थे। कर्मचारियों के प्रदर्शन की समय-समय पर समीक्षा करने में कुछ केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की ढिलाई की ओर इशारा करते हुए केंद्रीय और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने मंत्रालयों को निर्देश दिया है कि वे सार्वजनिक हित में समय से पहले सेवानिवृत्ति के लिए अयोग्य और उपयुक्त मामलों का पता लगाएं। साथ ही 1972 के नियम 48 के तहत समीक्षा के लिए कर्मचारियों की पहचान करें, और उनके मामलों को जल्द से जल्द समीक्षा समिति को प्रस्तुत करें।

वेंकैया नायडू की तीन पुस्तकों का पीएम मोदी ने किया विमोचन

हैदराबाद,(ईएमएस)। पीएम नरेन्द्र मोदी ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के 75वें जन्मदिन के मौके पर उनकी जीवन यात्रा पर तीन पुस्तकों का रविवार को विमोचन किया। पुस्तकों का विमोचन पीएम मोदी ने दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए किया। पीएम मोदी ने इस अवसर पर कहा कि वह खुश हैं कि उन्हें पुस्तकों का विमोचन करने का अवसर मिला और उन्होंने भरोसा जताया कि पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की जीवनी लोगों को प्रेरणा देगी।

पीएम मोदी ने कहा कि वह और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को वेंकैया नायडू से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला है। पीएम मोदी ने जिन पुस्तकों का विमोचन किया, उनमें वेंकैया नायडू-लाइफ इन सर्विस, सेलेब्रेटिंग भारत-द मिशन एंड मैसेज ऑफ श्री एम. वेंकैया नायडू एज 13 वाइस प्रेजीडेंट ऑफ इंडिया और तेलुगु में चित्र वृत्तांत महानेता-लाइफ एंड जर्नी ऑफ श्री एम वेंकैया नायडू शामिल हैं। हैदराबाद में पुस्तक के विमोचन के अवसर पर वेंकैया नायडू समेत कई नेता व प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं।

आगरा में बनेगा इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर

आगरा (ईएमएस)। आगरा में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर बनेगा। हाल ही में कैबिनेट बैठक में इस प्रोजेक्ट के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम और उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बीच शेयर होल्डिंग एग्रीमेंट को हरी झंडी दी गई है। इसके बाद उम्मीद की जा रही है कि शहर का विकास रफ्तार पकड़ेगा।

आगरा के रहन कला और कुबेरपुर में एक हजार एकड़ से अधिक जमीन पर क्लस्टर डेवलप किया जाएगा। हालांकि पूर्व में यह जमीन थीम पार्क के लिए ली गई थी, लेकिन अब इस जमीन पर क्लस्टर बनेगा। यह जमीन यमुना एक्सप्रेस- वे, लखनऊ एक्सप्रेस- वे और अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के समीप है। इसके लिए इगिस इंटरनेशनल एसए फ्रांस, इगिस इंडिया कंसल्टिंग इंजीनियर्स प्रा लि गुरुग्राम, सीबीआरई साउथ एशिया प्रा लि गुरुग्राम को कंसल्टेंट नियुक्त किया गया है। प्रोजेक्ट को केंद्र के नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन ट्रस्ट और उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी की ओर से डेवलप किया जाएगा।

इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के लिए 1595 पेड़ों को हटाया जाना है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिलने का इंतजार है। यूपीसीडा के अधिकारियों की मानें तो पेड़ हटाने की अनुमति मिलने के साथ ही ग्राउंड पर कार्य तेजी से शुरू कर दिया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट से उद्योग जगत को फायदा होगा। इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर में फैक्ट्री लगेगी। इससे आसपास के लोगों को रोजगार मिलेगा, जबकि तैयार सामान को रोड या फिर ट्रेन से आसानी से अन्य राज्यों में भेजा जा सकेगा।

मोबाइल रिचार्ज हुआ मंहगा, कंपनियों की मौज......ग्राहकों की जेब पर असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। एयरटेल और रिलायंस जियो ने मोबाइल रिचार्ज महंगा किया है। इसके बाद अब वोडाफोन आइडिया ने भी जल्द ही अपने प्लान महंगे कर दिए है। इन कंपनियों ने रिचार्ज प्लान में करीब 15-20 फीसदी का इजाफा किया है। इस इजाफे से मोबाइल यूजर्स की जेब पर बोझ बढ़ गया है। दूसरी ओर टेलीकॉम कंपनियों के मुनाफे में अच्छी-खासी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इंडस्ट्री जानकार के अनुसार, प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान में 15-20 फीसदी मोबाइल टैरिफ बढ़ोत्तरी से इंडस्ट्री को करीब 20,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त परिचालन लाभ होगा है।

इस टैरिफ हाइक के बाद एयरटेल और जियो के एवरेज रेवेन्यू पर यूजर (आआरपीयू) में अच्छा खासा इजाफा होने का अनुमान है। आईसीआरए के उपाध्यक्ष और कॉर्पोरेट रेटिंग के सेक्टर प्रमुख ने कहा, मोबाइल टैरिफ बढ़ोत्तरी से लाभ में इजाफा होगा। इससे इंडस्ट्री को तकनीक अपग्रेडेशन और नेटवर्क विस्तार के लिए जरूरी पूंजी मिलेगी। आईसीआरए को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में टेलीकॉम इंडस्ट्री का राजस्व 12-14 प्रतिशत बढ़ेगा। ऑपरेटिंग लीवरेज को देखकर 14-16 प्रतिशत तक परिचालन लाभ में इजाफा होने का अनुमान है। टेलीकॉम इंडस्ट्री को वित्त वर्ष 2025 में 1.6-1.7 लाख करोड़ रुपए के परिचालन लाभ के साथ 3.2-3.3 लाख करोड़ रुपए का राजस्व दर्ज करने की संभावना है। वहीं मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, दूसरे टेलीकॉम प्लेयर्स भी मोबाइल टैरिफ में बढ़ोत्तरी कर सकते है। नोट में कहा गया है, हमारा अनुमान है कि एयरटेल और जियो के लिए मिश्रित एआरपीयू को 16-18 प्रतिशत की सीमा में लाभ होगा।

देश की 13 सैन्य छावनियों की संपत्तियों के अधिकार स्थानीय निकायों को मिलेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की 13 सैन्य छावनियों की संपत्तियों के अधिकार स्थानीय नगर निगमों, नगर पालिकाओं को हस्तांतरित किए जाएंगे। इसका अर्थ यह है कि सैन्य स्टेशन सेना के पास रहेंगे, जबकि उनके बाहर के क्षेत्र राज्य सरकार को ट्रांसफर कर दिए जाएंगे।

छावनियों को लिखे गए पत्र में सरकार ने नागरिक क्षेत्रों को अलग करने और राज्य नगर पालिकाओं के साथ उनके विलय को लेकर व्यापक गाइडलाइन जारी की है। पत्र में कहा गया है कि यह दिशानिर्देश पिछले सप्ताह रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने की अध्यक्षता में हुई बैठक में तैयार किए गए थे।

सरकार ने पत्र में कहा है कि, क्षेत्र में नागरिक सुविधाएं और नगरपालिका सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई सभी परिसंपत्तियों के स्वामित्व के अधिकार राज्य सरकार/राज्य नगर पालिकाओं को बिना किसी शुल्क के हस्तांतरित किए जाएंगे। छावनी बोर्डों की परिसंपत्तियां और देनदारियां राज्य नगर पालिकाओं को ट्रांसफर की जाएंगी।

पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सरकार जहां लागू होगा, वहां स्वामित्व का अधिकार बरकरार रखेगी।

आदेश में कहा गया है कि, नगरपालिका अपने अधिकार क्षेत्र के तहत ऐसे क्षेत्रों पर स्थानीय कर/शुल्क लगा सकेगी। हालांकि इन क्षेत्रों को अलग करते समय सशस्त्र बलों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को उचित प्राथमिकता दी जाएगी। यदि ऐसी कुछ निजी स्वामित्व वाली भूमि है जिसे अलग करने से सैन्य स्टेशन की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है, तो मामले के आधार पर इस पर विचार किया जाएगा।

एफपीआई ने जून में घरेलू शेयर बाजारों में 26,565 करोड़ निवेश किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। लगातार दो माह की बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जून में घरेलू शेयर बाजारों में एक बार फिर लिवाल बन गए हैं। शेयर बाजारों में जोरदार तेजी की वजह से जून में एफपीआई ने 26,565 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। बाजार के जानकारों कहा कि आगे चलकर उनका ध्यान धीरे-धीरे बजट और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों की ओर स्थानांतरित होगा।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जून में भारतीय शेयर बाजार से 26,565 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले मई में चुनावी नतीजों को लेकर असमंजस के बीच एफपीआई ने शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि की चिंता के बीच अप्रैल में भी एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे थे।

इससे पहले एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जबकि जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भाजपा को अपने बल पर बहुमत नहीं मिलने के बावजूद राजनीतिक स्थिरता और स्थिर घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की खरीदारी और आक्रामक खुदरा खरीदारी से बाजारों में तेज उछाल ने एफपीआई को लिवाल बनने के लिए मजबूर किया है। हालांकि एफपीआई की खरीदारी बाजार या व्यापक रूप से क्षेत्र आधारित होने के बजाय कुछ शेयरों तक केंद्रित रही है। उनका कहना है ?कि सरकार की स्थिरता का भरोसा, जीडीपी के मोर्चे पर अच्छे प्रदर्शन, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में स्थिरता और बैंकिंग क्षेत्र की सेहत मजबूत होने की वजह से एफपीआई का प्रवाह तेज बना रहेगा। आंकड़ों के अनुसार इसके अलावा एफपीआई ने जून में ऋण या बॉन्ड बाजार में 14,955 करोड़ रुपये डाले हैं। 2024 में अब तक बॉन्ड बाजार में एफपीआई का निवेश 68,624 करोड़ रुपये रहा है।

युद्ध के खतरों के चलते सऊदी अरब ने अपने नागरिकों से लेबनान छोड़ने को कहा

काहिरा,(ईएमएस)। लेबनान के शिया आंदोलन हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच युद्ध के खतरों को देखते हुए सऊदी अरब ने अपने नागरिकों से तुरंत लेबनान छोड़ने को कहा है। लेबनान के सऊदी दूतावास ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में वर्तमान घटनाओं पर चिंता व्यक्त करता है, हम एक बार फिर सभी सऊदी नागरिकों से लेबनान जाने पर प्रतिबंध लगाने के फैसले का पालन और वहां के नागरिकों से तुरंत लेबनान छोड़ने का आह्वान करते हैं।

इजरायली सेना ने घोषणा की है कि उसने लेबनान में आक्रामक अभियान के लिए योजनाओं को मंजूरी दी है। इजरायली विदेश मंत्री ने बाद में कहा कि इजरायल हिजबुल्लाह और लेबनान के खिलाफ नियमों को बदलने के फैसले के बहुत करीब था, जिससे आंदोलन को युद्ध में खत्म करने और लेबनान पर गंभीर प्रहार करने की धमकी दी है। हिजबुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्ला ने कहा कि अगर युद्ध और तेज हुआ तो आंदोलन उत्तरी इजरायल पर आक्रमण करेगा।

बता दें अक्टूबर 2023 में गाजा पट्टी में इजरायल के हमले के बाद इजरायल-लेबनानी सीमा पर स्थिति खराब है। आईडीएफ और लेबनानी हिजबुल्लाह लड़ाके सीमा से लगे इलाकों में एक-दूसरे के ठिकानों पर बमबारी कर रहे हैं। लेबनानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि करीब एक लाख लोगों को सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने घर छोड़ कर जाना पड़ा है, जबकि इजरायली विदेश मंत्रालय ने कहा कि 80,000 इजरायलियों को भी अपना घर छोड़ना पड़ा है।

चुनाव से पहले मंदिर पहुंचे सुनक-अक्षता

लंदन(ईएमएस)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने देश में 4 जुलाई को होने वाले चुनाव से 4 दिन पहले लंदन के नेसदेन मंदिर पहुंचकर पूजा की। उन्होंने मंदिर का दौरा किया और वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की। सुनक ने नेसदेन मंदिर में लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत टी 20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की जीत के साथ की। सुनक ने कहा कि आज आप क्रिकेट मैच के नतीजों से तो खुश होंगे। इस पर भीड़ ने तालियां बजाईं। सुनक ने कहा कि मैं भी आपकी तरह एक हिंदू हूं। अपने विश्वास और आस्था से ही मुझे ताकत मिलती है। जब मैं सांसद बना था तब मैंने भगवत गीता पर ही हाथ रखकर शपथ ली थी। मुझे इस बात पर गर्व है। मेरा विश्वास मुझे यह सिखाता है कि हम अपने कर्मों पर ध्यान दें और परिणाम की चिंता न करें।

गैसोलीन निर्यात के लिए रूस ने 31 जुलाई तक बढ़ाई परमिट की अवधि

मॉस्को,(ईएमएस)। रूस की पुतिन सरकार ने गैसोलीन निर्यात के लिए 31 जुलाई तक परमिट की अवधि बढ़ा दी है। यह जानकारी आधिकारिक कानूनी सूचना पोर्टल पर प्रकाशित प्रासंगिक दस्तावेज के जरिए से मिली है। दस्तावेज़ 29 फरवरी के सरकारी संकल्प संख्या 243 में संशोधन करता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूस के ऊर्जा मंत्री सर्गेई त्सिविलीव ने कहा कि घरेलू बाजार में पर्याप्त ईंधन का भंडार है और मांग आपूर्ति के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि बाजार की जरूरतों के आधार पर आगे कदम उठाए जाएंगे। यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन देशों को छोड़कर अन्य देशों में गैसोलीन के निर्यात पर प्रतिबंध एक मार्च को लगाया गया था। मई माह के अंत में रुसी सरकार ने 30 जून तक प्रतिबंध को निलंबित कर दिया था। गैसोलीन निर्यात पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध हटाने का निर्णय रूस के बाजार की संतृप्ति के संबंध में किया गया था, ताकि रिफाइनरियों द्वारा प्रसंस्करण में कमी और बंदरगाहों में अनलोडिंग से रोका जा सके।

बीते वित्त वर्ष में ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्याघटकर1.09 करोड़ रही

- एक ?रिपोर्ट के अनुसार ईपीएफओ ने 2022-23 में कुल 1,14,98,453 नए सदस्य जोड़े थे

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते वित्त वर्ष में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के नए सदस्यों की कुल संख्या चार प्रतिशत घटकर 1.09 करोड़ रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ईपीएफओ की भारत में पेरोल रिपोर्टिंगः एक रोजगार परिप्रेक्ष्य-जनवरी से अप्रैल, 2024 रिपोर्ट के अनुसार ईपीएफओ ने 2022-23 में कुल 1,14,98,453 नए सदस्य जोड़े थे। यह संख्या 2023-24 में घटकर 1,09,93,119 रह गई है। महामारी के कारण ईपीएफओ से जुड़ने वाले नए सदस्यों की कुल संख्या में 2020-21 में गिरावट आई थी और यह 85,48,898 रही थी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में ईपीएफओ से 1,10,40,683 नए सदस्य जुड़े थे। 2021-22 में ईपीएफओ से जुड़ने वाले नए सदस्यों की संख्या 1,08,65,063 रही थी। देश में कोरोना महामारी के प्रसार को रोकने के लिए केंद्र और राज्यों ने 2020 और 2021 में लॉकडाउन लगाया था, जिससे आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ रोजगार भी प्रभावित हुआ था। आंकड़ों से पता चलता है कि 2023-24 तक पिछले पांच वित्तीय वर्षों में ईएफपीओ द्वारा जोड़े गए कुल नए सदस्य 2018-19 के पूर्व-कोविड स्तर तक नहीं पहुंचे थे। अप्रैल, 2018 से मंत्रालय सितंबर, 2017 के बाद की अवधि के संगठित क्षेत्र के रोजगार संबंधी आंकड़े जारी कर रहा है। इसमें तीन प्रमुख योजनाओं कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) से जुड़ने वाले सदस्यों की जानकारी ली जाती है। रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के सदस्यों की सकल वृद्धि भी 2022-23 के 1,67,73,023 से घटकर 2023-24 में 1,67,60,672 रह गई है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार एनपीएस के तहत नए सदस्यों की संख्या 2022-23 के 8,24,735 से बढ़कर 2023-24 में 9,37,020 हो गई।

युक्रेन पर रुस के ताजा हमलों में 12 लोगों की मौत, कई इमारतें तबाह

-ऊर्जा उत्पादन केंद्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा रुस

कीव,(ईएमएस)। रुस और यूक्रेन के बीच जंग को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं लेकिन यह जंग खत्म होने पर नहीं आ रही है। जबकि इस जंग में रुस और यूक्रेन का काफी नुकसान हुआ है। वहीं रूस की ओर से पूर्वी यूक्रेन में किए गए हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि निप्रो शहर में रूसी हमले से ध्वस्त इमारत के मलबे से एक और व्यक्ति का शव बरामद किया गया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब रूस 1,000 किलोमीटर की सीमा पर कई क्षेत्रों में यूक्रेनी सेना को पीछे धकलने की कोशिश में है।

रुस और यूक्रेन के संसाधनों को खत्म करने के लिए हवाई हमले तेज कर दिए हैं और वह ऊर्जा सुविधाओं और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने सोशल मीडिया पर कहा कि रूस-यूक्रेन सीमा पर गोरोडिशे गांव में यूक्रेनी हमले के पीड़ितों में दो बच्चे भी शामिल हैं।

ये हमले उस वक्त हुए जब रूस ने 1,000 किलोमीटर के मोर्चे पर कई क्षेत्रों में अपनी सेना तैनात कर रहा है। मॉस्को ने यूक्रेन के संसाधनों को खत्म करने के लिए हवाई हमले तेज कर दिए हैं और ऊर्जा उत्पादन केंद्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूसी हमलों से यूक्रेन ने अपनी करीब 80 फीसदी तापीय ऊर्जा क्षमता और एक तिहाई जलविद्युत क्षमता खो दी है। डीनिप्रो में हुए हमले पर जेलेंस्की ने कहा कि यह यूक्रेन के सहयोगियों के लिए एक चेतावनी है कि देश को ज्यादा वायु रक्षा प्रणालियों की जरुरत है। यूक्रेनी वायुसेना ने शनिवार को कहा कि उसने रातभर में 10 रूसी ड्रोन मार गिराए है।

एक ही केबल के इस्तेमाल से कई डिवाइस होंगे चार्ज

-केंद्र सरकार लागू कर सकती है नया नियम

नई दिल्ली (ईएमएस)। जल्द ही भारत में बिकने वाले स्मार्टफोन्स में स्टैंडर्ड चार्जिंग कनेक्टर की जरूरत हो सकती है। केंद्र सरकार नया नियम लागू कर सकती है। यह कहा जा रहा है एक ताजा रिपोर्ट में। नये नियमों का उद्देश्य यूजर्स को एक ही केबल का इस्तेमाल से कई डिवाइस चार्ज करने में सक्षम बनाना है, ताकी ई-वेस्ट को कम किया जा सके।

यह यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा 2022 में जारी किए गए आदेश के समान है जो इस साल के अंत में प्रभावी होगा। बाद में सरकार की तरफ से टाइप-सी पोर्ट को लैपटॉप्स के लिए भी अनिवार्य किया जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मैटी) जल्द ही डिवाइस मेकर्स को स्मार्टफोन और टैबलेट में एक समान चार्जिंग पोर्ट शामिल करने का निर्देश दे सकता है। इस निर्देश में लैपटॉप को भी शामिल करने की बात कही गई है, लेकिन यह नियम कथित तौर पर 2026 से लागू होगा। ये चार्जिंग पोर्ट यूएसबी टाइप-सी कनेक्टर होने का अनुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस आदेश में स्मार्टवॉच और बेसिक फीचर फोन जैसे वियरेबल डिवाइस शामिल नहीं होंगे। ये कदम कथित तौर पर जून 2025 से लागू होगा और बताया जा रहा है कि इसका उद्देश्य डिवाइस द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई प्रकार के केबलों से पैदा हुए ई-कचरे को कम करना है, जिससे यूजर्स अपनी सभी डिवाइस को एक केबल से चार्ज कर सकें। यूरोपीय संघ ने भी 2022 में इसी तरह का आदेश पारित किया था, जिसके तहत स्मार्टफोन, टैबलेट, कैमरा, हेडफोन और हेडसेट, हैंडहेल्ड वीडियो-गेम कंसोल और पोर्टेबल स्पीकर जैसे हार्डवेयर में यूएसबी टाइप-सी को स्टैंडर्ड चार्जिंग पोर्ट बनाया गया था। इस कदम ने एप्पल को अपने मालिकाना लाइटनिंग पोर्ट को यूएसबी टाइप-सी से बदलने के लिए मजबूर किया, जिसकी शुरुआत 2023 में आईफोन 15 सीरीज से हुई।

नवंबर 2022 में, सरकार कथित तौर पर चार्जिंग के स्टैंडर्ड तरीके के रूप में यूएसबी टाइप-सी को अपनाने के लिए आम सहमति पर पहुंच गई थी। इंडस्ट्री के स्टेकहोल्डर्स के साथ बैठक के बाद, उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने उस समय कहा था कि बैठक के दौरान, स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज के लिए चार्जिंग पोर्ट के रूप में यूएसबी टाइप-सी को अपनाने पर स्टेकहोल्डर्स के बीच व्यापक सहमति बनी है। हालांकि उस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई गई थी, लेकिन ऐसा लग रहा है कि भारत अब अपने कॉमन चार्जर नियमों की घोषणा करने के लिए तैयारी कर रहा है।

इजरायल ने गाजा में फिर दागे मिसाइल, 40 की मौत, सैकड़ों घायल

गाजा,(ईएमएस)। इजरायल और हमास के बीच जंग जारी है। इजराइल हमास को खत्म करने के लिए लगातार हमले कर रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली हमलों में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए और 224 घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों के हवाले से बताया कि कुल फिलिस्तीनी मौतों की संख्या अब 37,834 हो गई है। अक्टूबर 2023 से फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से 86,858 लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि इजरायली सेना और हमास के बीच झड़पों के कारण बचाव दलों को कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। खास कर दक्षिणी गाजा के रफाह शहर और पूर्वी गाजा के शुजाया में जहां शरणार्थियों के शिविर हैं। इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि इजरायली सेना शुजाया क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों पर हमला कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ घंटों में सेना ने झड़पों में कई को मार गिराया। रफाह में इजरायली सेना ने कई आतंकवादियों को मार गिराया और सुरंग समेत बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है।

इस बीच फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हजारों लोग आश्रय, भोजन, दवा और साफ पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, हालात और भी खराब हो गए हैं। अमेरिका ने शुक्रवार को घोषणा की कि मानवीय सहायता के लिए गाजा के तट पर लंगर डाले हुए अमेरिकी जहाज को प्रतिकूल मौसम के कारण हटा दिया गया है।

कोका-कोला कंपनी ने भारत में किया अपना बॉटलिंग बिजनेस बंद

-2022-23 में कंपनी ने की थी 12,840 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कोका-कोला कंपनी भारत में अपना बॉटलिंग बिजनेस बंद कर रही है। कंपनी के बॉटलिंग इन्वेस्टमेंट ग्रुप (बीआईजी) का दफ्तर 30 जून को बंद करने का फैसला किया है। अमेरिका की यह कंपनी भारत समेत दुनियाभर में अपने बॉटलिंग का संचालन करती है। कंपनी ने एक नोट में कहा कि बीआईजी का कॉर्पोरेट ऑफिस 30 जून को बंद हो जाएगा।

कंपनी का यह कदम भारत को प्रभावित करेगा, क्योंकि कोका-कोला इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली बॉटलिंग कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (एचसीसीबी) सीधे तौर पर बीआईजी के कंट्रोल में थी। नोट में कहा गया है कि भारत, नेपाल और श्रीलंका कोका-कोला के आंतरिक बोर्ड की निगरानी में रहेंगे। बता दें कि इस माह में कोका-कोला ने एचसीसीबी में माइनारिटी स्टेक बेचने के लिए कम से कम चार भारतीय औद्योगिक घरानों और उनके कार्यालयों से संपर्क किया था।

रविवार से कोका-कोला के बॉटलिंग निवेश और ऑपरेशन का मैनेजमेंट एक आंतरिक बोर्ड के जरिए से किया जाएगा। यह बोर्ड बॉटलिंग बिजनेस के प्रदर्शन और रणनीति पर नजर रखेगा। बोर्ड की अध्यक्षता ब्राउन करेंगे। इसमें वैश्विक कार्यों का प्रबंधन करने वाले वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। नोट में कहा कि इस फैसले का मकसद निर्णय लेने की प्रक्रिया और ज्यादा सरल बनाना और बाजारों में क्षमताओं को मजबूत करना है।

बहस में खराब प्रदर्शन के बाद बाइडन से राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से हटने की मांग

-दूसरा कार्यकाल पाने के इच्छुक बहस में लड़खड़ाते नजर आए बाइडन

न्यूयार्क,(ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए अटलांटा में हुई बहस में पिछड़ने के बाद सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनावी दौड़ से हटने की मांग की है। जो बाइडन (81) और उनके प्रचार अभियान ने कहा कि वह हार नहीं मान रहे हैं और पांच नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए सफलतापूर्वक मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध हैं। प्रचार अभियान के नेतृत्व ने कहा कि बाइडन डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी हैं। प्रत्याशी नहीं बदला जा रहा है।

अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर ली है। व्हाइट हाउस में दूसरा कार्यकाल पाने के इच्छुक बाइडन की आवाज बहस के दौरान लड़खड़ाती नजर आई, जिससे डेमोक्रेट के शीर्ष नेता सोच रहे है कि क्या बाइडन राष्ट्रपति चुनाव से पहले के कठिन महीनों के दौरान शीर्ष पर रह सकते हैं।

वहीं, रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप (78) ने बहस में शुरुआत से ही बाइडन को कड़ी टक्कर दी। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अटलांटा में पहली बहस के बाद से ही कई मीडिया संस्थान और बाइडन की पार्टी के समर्थक और नीति निर्माता उनसे इस दौड़ से हटने की मांग कर रहे हैं। बहस के बाद एक अखबार ने अपनी संपादकीय में लिखा कि अपने देश की सेवा करने के लिए राष्ट्रपति बाइडन को इस दौड़ से हट जाना चाहिए।

हॉन्गकॉन्ग में खैनी-पान की है दुकान, मिलता है शुद्ध शाकाहारी खाना!

हॉन्गकॉन्ग (ईएमएस)। विदेशों में भी भारतीय अपने देश की परंपरा, खान-पान, तौर-तरीकों को ले जाते हैं और इस तरह मिनी इंडिया बसा लेते हैं। ऐसा ही भारतीय ने हॉन्गकॉन्ग में भी किया है। यहां पर एक ऐसी इमारत है, जिसके अंदर जाते ही आपको लगेगा जैसे आप भारत पहुंच गए हैं। खैनी-पान से लेकर शुद्ध शाकाहारी भोजन तक, आपको यहां सब कुछ मिलेगा।

ट्रैवलर और इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर ने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया है जो हॉन्गकॉन्ग का है। इस वीडियो में वो हॉन्गकॉन्ग की उस इमारत के बारे में बता रहे हैं, जिसे 'मिनी इंडिया' कहा जाता है।

उन्होंने वीडियो बनाते हुए कहा कि जैसे ही इस बिल्डिंग के अंदर कोई जाएगा, वो ये भूल जाएगा कि ये हॉन्गकॉन्ग की इमारत है। अंदर इंडिया से जुड़े सारे सामान, खाने-पीने की चीजें मिलती हैं। जब वो अंदर जाते हैं तो वहां उन्हें एक रेस्टोरेंट का मालिक अपने दुकान में मिलने वाली सब्जियां दिखाता है, जिसमें पालक पनीर, दाल, चना मसाला, भिंडी जैसी सब्जियां मिल रही हैं। उसके अलावा वेज पकौड़ा, आलू टिक्की भी मिल रही है। जब वो आगे बढ़ते हैं, तो उन्हें सबसे ज्यादा हैरानी ये देखकर कर होती है कि उस इमारत में तंबाकू, जैसे चैनी-खैनी, रजनीगंधा, पासपास, मिल रहा है। दुकानदार ने बताया कि वहां पर पान भी मिलता है। इसके बाद शख्स दिखाता है कि इमारत में शेर-ए-पंजाब रेस्टोरेंट भी है। साथ ही वहां पर एक शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट है जो काफी अनोखी बात है।

सूरत और कड़ी शहर के कई इलाकों में पानी भरा, १६४ तालुकाओं में मूसलाधार बारिश

वराछा फूल मंडी के पास एक विशाल पेड़ गिर गया, पेड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर सीधे रिक्शे पर गिर गया, जिससे रिक्शा चालक की भी मौत हो गई

सूरत, ३० जून ।

मानसून ने अब पूरे गुजरात को कवर कर लिया है। सबसे ज्यादा असर दक्षिण गुजरात में दिखाई दे रहा है। दक्षिण गुजरात के कई जिलों में आज सुबह से ही भारी बारिश जारी है। वलसाड, सूरत और नवसारी में सड़कें नदियों में तब्दील हो गई हैं।

वापी जिले में ६ घंटे में ही ४ इंच बारिश से कड़ी शहर में जलभराव हो गया है। यहां के निचले इलाकों में कई घरों में पानी घुस गया है। सूरत में भी ३ इंच बारिश से हर जगह पानी ही पानी है। राज्य में सुबह ६ बजे से दोपहर २ बजे तक १६४ तालुकाओं में भारी बारिश हो रही हैमौसम विभाग ने भरूच, सूरत, नवसारी, वलसाड, दमन, दादरा और नगर हवेली, भावनगर, अमरेली, बोटाद में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, बनासकांठा, अहमदाबाद, गांधीनगर, आणंद, वडोदरा, छोटा उदेपुर, पंचमहाल, नर्मदा, तापी, डांग, कच्छ, मोरबी, सुरेंदनगर, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, राजकोट, जूनागढ़, गिर सोमनाथ और दीव में येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने ६ जुलाई तक राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

राज्य में सुबह ६ बजे से दोपहर २ बजे तक १६४ तालुका में सामान्य से भारी बारिश हुई। उनमें से सबसे अधिक सूरत के पलसाना में १४८ रूरू, बारडोली में १३० रूरू, सूरत शहर में ११९ रूरू, वापी में ११७ रूरू, सूरत के महुवा में ११६ रूरू, कामरेज में ११५ रूरू, ऑलपाड में १११ रूरू, वलसाड में १०२ रूरू, ८९ रूरू बारिश दर्ज की गई।

डायमंड नगरी सूरत में शनिवार रात १२ बजे से रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो गया था। रविवार सुबह से तेज बारिश शुरू हो गई, जिससे कतारगाम हाथीवाला मंदिर क्षेत्र, अखंड आणंद कॉलेज के आसपास, वेडरोड क्षेत्र, उधना गरनालू, अठवा गेट, मजूरा गेट सिविल अस्पताल और शहर के अन्य इलाकों में जलभराव हो गया है। मुख्य सड़कों पर पानी भर जाने से वाहन चालकों और लोगों को परेशानी हो रही है।

वराछा फूल मंडी के पास एक विशाल पेड़ गिर गया। पेड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर सीधे रिक्शे पर गिर गया, जिससे रिक्शा चालक की भी मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में रिक्शा चालक की पहचान सलाबत पुरा उमरवाड़ा टेकरा क्षेत्र में रहने वाले हनीफ शेख के रूप में हुई है।

१.७६ लाख छात्र क्वालिफाई नहीं हो सके, १.०४ लाख सफल हुए

सूरत, ३० जून ।

राज्य परीक्षा बोर्ड, गांधीनगर ने प्राथमिक और माध्यमिक छात्रवृत्ति परीक्षा का परिणाम घोषित किया है। इसमें प्राइमरी में २.२९ लाख छात्रों में से ७२ हजार और सेकेंडरी में ५१ हजारमेंसे३१हजारछात्रोंको क्वालिफ इंग मार्क्स ही मिल सके हैं। दोनों परीक्षाओं में कुल २.८० लाख छात्र उपस्थित हुए, जिनमें से १.०४ लाख छात्र क्वालिफाइंग अंक हासिल करने में सफल और१.७६ लाख छात्र ३५ फीसदी अंक लाने में असफल रहे।।

प्राथमिक-माध्यमिक शिक्षा छात्रवृत्ति के लाभार्थियों का चयन करने के लिए राज्य परीक्षा बोर्ड ने २८ अप्रैल को यह परीक्षा ली। परीक्षा २०० अंको की थी। प्राथमिक शिक्षा छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए २,५७,६३७ और माध्यमिक शिक्षा छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए ६४,०९७ छात्रों ने फॉर्म भरा था। जो छात्र चालू शैक्षणिक वर्ष में कक्षा-६ में पढ़ रहे हैं और उन्होंने कक्षा-५ में कम से कम ५० प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त किया है, वे प्रारंभिक छात्रवृत्ति परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

७० मार्क्स से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या ३१७३१ रही। १६६६९ ने १०० से अधिक अंक,४२१५ने१३० से अधिक अंक, १२०६ ने १५० से अधिक अंक, ४७३ ने १०३ से अधिक अंक और ५७ छात्रों ने १७५ से अधिक अंक प्राप्त किया।७० से ज्यादा अंक लाने वाले छात्र ७२१७१ थे। २३६४२ छात्रों को १०० से ज्यादा अंक मिले। १३०सेज्यादाअंक लाने वाले ३२५५ छात्र, १५० से ज्यादा अंक लाने वाले ४३८, १६० से ज्यादा अंक लाने वाले १०३ और १७५ से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सिर्फ ६ छात्र हैं।

गुजरात में अगले 4 दिन भारी बारिश की संभावना, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस)मौसम विभाग ने आगामी 4 दिन राज्य के कई जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया हैं भारी बारिशकी संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने कई जिलों में अलर्ट भी जारी कर दिया हैं मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को वलसाड, दमण, दादरा नगर हवेली में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया हैं जबकि देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, राजकोट, भरुच, सूरत, तापी, नवसारी, डांग में यलो अलर्ट दिया गया हैं इन सभी जिलों में गरज के साथ भारी बारिश की संभावना हैं मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को सूरत, तापी, नवसारी, डांग, वलसाड, दमण, दादरा नगर हवेली में गरज के साथ भारी बारिश की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया हैं वहीं बुधवार को सूरत,तापी, नवसारी, डांग, वलसाड, दमण, दादरा नगर हवेली के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया हैं गुरुवार को भी इन जिलों में भारी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया हैं इस बीच आज दोपहर तक राज्य की 134 तहसीलों में अच्छी बारिश होने की खबर हैं सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक 134 तहसीलों में बारिश हुईं सबसे अधिक सूरत के पलसाणा में केवल दो घंटे के भीतर 5.5 इंच बारिश दर्ज की गईं वहीं बारडोली में 4.5 इंच, सूरत शहर में 4 इंच, वलसाड तहसील में 3.75 इंच, कामरेज में 3.5 इंच, खेरगाम में 3 इंच, धरमपुर में 2.25 इंच, संखेडा में 2.25 इंच, उमरपाडा में 2 इंच, सोनगढ़ में 2 इंच, कपराडा में 2इंच, नवसारी में 2 इंच, जलालपोर में 2 इंच बारिश हुईं इसके अलावा डोलवण में 1.5, व्यारा में 1.5 इंच, बोडेली में 1.75, गणदेवी में 1.75 इंच, नांदोद में 1.75 इंच, हांसोट में 1.75 इंच, धोराजी में 1.5 इंच, वल्लभीपुर में 1.5 इंच, उमराला में 1.5 इंच, देवभूमि द्वारका में 1.5 इंच, जामकंडोरणा में 1.5 इंच, वघई में 1.5 इंच, वागरा में 1.5 इंच, मांगरोल में 1.5 इंच और जांबुघोडा में 1.5 इंच बारिश दर्ज हुई हैं

ओखा-वेरावल -ओखा एक्सप्रेस ट्रेनें 2 जुलाई तक परिवर्तित मार्ग से रिशेडयूल समय पर चलेंगी

तकनीकी कारणों के चलते ओखा-वेरावल तथा वेरावल-ओखा एक्सप्रेस ट्रेनें 30 जून से लेकर 2 जुलाई, 2024 तक परिवर्तित मार्ग से रिशेडयूल किए गए समय पर चलेंगी। ट्रेन नं 19252 ओखा-वेरावल एक्सप्रेस 30.06.2024 से लेकर 02.07.2024 तक परिवर्तित मार्ग वाया कानालुस-वांसजालिया-जेतलसर-वेरावल होकर चलेगी। इस अवधि के दौरान यह ट्रेन ओखा से अपने निर्धारित समय से 5 घंटा 45 मिनट विलम्ब से यानि 02.00 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेन नं 19251 वेरावल-ओखा एक्सप्रेस 30.06.2024 से लेकर 02.07.2024 तक परिवर्तित मार्ग वाया जेतलसर-वांसजालिया-कानालुस होकर चलेगी।

इतिहास में सबसे ज्यादा ११ बार एक्सटेंशन, मोदी समेत ४ सीएम के साथ किया काम

गांधीनगर, ३० जून ।

मुख्यमंत्री कार्यालय में लगभग दो दशक बिताने वाले अधिकारी के. कैलाशनाथन को आज विदाई दे दी गई। ३० जून को उनका एक्सटेंशन और ६ महीने का कार्यकाल पूरा हो चुका है। वर्तमान में वह मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के पद पर कार्यरत थे। सेवा के आखिरी दिन से एक दिन पहले ही उन्हें विदाई दे दी गई है।

वर्ष २०१३ में आयु सीमा के कारण सेवानिवृत्त होने के बाद कैलाशनाथन ने अनुबंध के आधार पर लगातार ११ वर्षों तक गुजरात प्रशासन में अपनी सेवाएं दी। चर्चा है कि उन्हें केंद्र सरकार में कोई पद दिया जा सकता है या फिर किसी राज्य का राज्यपाल भी बनाया जा सकता है।

केके के नाम से मशहूर कैलाशनाथन ने चार मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया है। वह २००६ से अब तक मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत थे। इस दौरान गुजरात के चार मुख्यमंत्रियों नरेंद्र मोदी, आनंदीबेन पटेल, विजय रूपाणी और भूपेन्द्र पटेल के साथ काम किया। इतना ही नहीं, उन्हें इतिहास में सबसे ज्यादा ११ बार एक्सटेंशन मिला।

अगस्त २००६ से अप्रैल २००८ तक मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव के रूप में कार्य किया। अक्टूबर २०१० से मई २०१३ तक फिर से मुख्यमंत्री मोदी के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त हुए और ३३ वर्षों तक सेवा करने के बाद ३१ मई २०१३ को सेवानिवृत्त हुए।सेवानिवृत्ति के बाद नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यालय में जून २०१३ से मई २०१४ तक उन्हें अपने प्रधान प्रधान सचिव के रूप में रखा। मई २०१४ में लोकसभा चुनाव के बाद, आनंदीबेन पटेल ने मुख्यमंत्री का पद संभाला और कैलाशनाथन को एक साल के लिए अपने प्रमुख मुख्य सचिव के रूप में बनाए रखा। आनंदीबेन ने उन्हें मई २०१५ से एक साल के लिए एक्सटेंशन दे दिया।

आनंदीबेन के इस्तीफे के बाद विजय रूपाणी मुख्यमंत्री बने और उन्होंने भी अगस्त २०१६ से अपने कार्यकाल तक कैलासनाथन को अपना प्रधान मुख्य सचिव नियुक्त किया। २०१७ के विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी विजयी हुई और एक बार फिर विजय रूपाणी मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कैलासनाथन को प्रधान प्रधान सचिव के रूप में दो साल का विस्तार भी दिया, जो दिसंबर २०१९ में समाप्त होने वाला था। यह विस्तार पूरा होने से पहले ही रूपाणी ने उनका कार्यकाल दो साल और बढ़ाकर दिसंबर २०२१ तक कर दिया था२०२१ में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने केके को मुख्य प्रधान सचिव नियुक्त किया। उन्हें केंद्र सरकार में कोई पद दिया जा सकता है या फिर किसी राज्य का राज्यपाल भी बनाया जा सकता है। उन्हें केंद्र सरकार में कोई पद दिया जा सकता है या फिर किसी राज्य का राज्यपाल भी बनाया जा सकता है।

के. कैलासनाथन ने अपने करियर की शुरुआत १९८१ में एक सहायक कलेक्टर के रूप में की थी। वह १९८५ में सुरेंद्रनगर और १९८७ में सूरत के कलेक्टर रहे। जबकि वह १९९९ से २००१ तक अहमदाबाद नगर निगम के आयुक्त भी रहे। उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण पोस्टिंग बीआरटीएस प्रोजेक्ट की संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में थी। उन्हें के.के. के नाम से जाना जाता है। कैलाशनाथ का पूरा नाम कुनियाल कैलाशनाथन है।

पानीभरे गड्ढे में डूबने से जुड़वा भाई-बहन समेत तीन की मौत

वलसाड (ईएमएस)वापी के रमजानवाडी क्षेत्र में पानी से लबालब गड्ढे में डूबने से जुड़वा भाई-बहन समेत तीन बच्चों की मौत हो गईं इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त हैं तीनों बच्चे गड्ढे में नहाने गए थे या दुर्घटनावश गिरे थे, इसका फिलहाल पता नहीं चला हैं डुंगरा पुलिस मामले की जांच कर रही हैं जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले के वापी शहर के सीमा स्थित छरवाडा के रमजानवाडी क्षेत्र स्थित नेहा कॉम्प्लेक्स में रहनेवाले तीन बच्चों के अचानक लापता होने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू कीं कल शाम तक तीनों बच्चों की कोई खैर खबर नहीं मिलीं रात्रि के दौरान तीनों बच्चों के शव रमजानवाडी क्षेत्र में पानीभरे गड्ढे से बरामद हुईं एक परिवार के तीन बच्चों की मौत से परिजनों समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गईं मृतकों में 7 वर्षीय हर्ष तिवारी, 7 वर्षीय रिद्धि तिवारी और 9 वर्षीय आरुषि सोलंकी शामिल हैं हर्ष और रिद्धि जुड़वा भाई-बहन हैं, जबकि आरुषि उनके पड़ौस में रहती थीं परिजनों के मुताबिक हर्ष और रिद्धि समेत तीनों बच्चे घर के निकट खेलते खेलते पानी से लबालब गड्ढे के करीब पहुंच गए और उसमें डूब गईं हांलाकि फिलहाल इस बात का पता नहीं चला कि बच्चे गड्ढे में नहाने गए थे या दुर्घटनावश गिरें

जब तक पीएम मोदी हैं, तब तक विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं होगी : मुख्यमंत्री

- भूपेन्द्र पटेल ने निर्माणाधीन 'हरे कृष्ण सरोवर' परियोजना स्थल का दौरा कर जल संचयन कार्यों की समीक्षा की

गांधीनगर (ईएमएस)मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को बनासकांठा की सीमावर्ती तहसील के कुंभारखा गांव में निर्माणाधीन जल संचयन के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'हरे कृष्ण सरोवर' का दौरा किया। इस सरोवर के निर्माण से आसपास के क्षेत्रों में न केवल जलस्तर ऊंचा उठेगा, बल्कि लोगों की सिंचाई की समस्या का भी समाधान होगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जल संचयन के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के दौरे के दौरान पद्मश्री सवजीभाई धोळकिया के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। साथ ही, उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से इस प्रोजेक्ट की संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर इसकी समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री ने कुंभारखा के ग्रामीणों के साथ संवाद करते हुए कहा कि, ''आप लोगों को कहने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी और विकास के कार्य होते रहेंगे। जब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं, तब तक विकास कार्यों के लिए धन की कमी का कोई सवाल ही नहीं है।'' प्रधानमंत्री ने जल संचयन के लिए अग्रिम योजना बनाकर प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर का निर्माण कराया है। उनकी दूरदर्शिता के परिणामस्वरूप देशभर में जल संचयन और जल संवर्धन का अद्भुत कार्य हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि इस सरोवर का काम इतना अच्छा होने वाला है कि आने वाले समय में यह स्थान एक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा। इस सरोवर के निर्माण से 1500 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी।

विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि जब जनकल्याण और विकास की भूख होती है, तब ऐसे कार्य होते हैं। उन्होंने राज्य सरकार और सवजी धोळकिया फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल संचयन के कार्य के लिए सीमावर्ती क्षेत्र सुईगाम तहसील के चयन से इस क्षेत्र के लोगों का आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने कहा कि बरसाती पानी को व्यर्थ बहने से रोकने और पानी की बूंद-बूंद बचाने का यह जनभागीदारी का कार्य अन्य गांवों को भी प्रेरणा देगाँ इस सरोवर के बनने से आसपास के सात गांवों को पानी की सुविधा मिलने के साथ-साथ प्रकृति के संवर्धन और संरक्षण के जरिए इकोसिस्टम का विकास होगा।

सवजी धोळकिया फाउंडेशन, सूरत के चेयरमैन पद्मश्री सवजीभाई धोळकिया ने प्रसन्नता के साथ कहा कि, ''हम पूरे गुजरात में काम करते हैं, लेकिन इस क्षेत्र के लोगों ने जिस तरह से सहयोग किया है, वह सचमुच अद्भुत है। यह तालाब आपका है और आपको ही इसकी देखरेख करनी है।'' धोळकिया ने कहा कि किसी कार्य में बाधा उत्पन्न न करना भी एक तरह से पुण्य का काम है। सीमावर्ती क्षेत्र में पानी के लिए यह एक ऐतिहासिक काम हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि सवजी धोळकिया फाउंडेशन, गुजरात सरकार और ग्रामीणों के सहयोग से हरे कृष्ण सरोवर का निर्माण कार्य 30 एकड़ भूमि में चल रहा है। खास बात यह है कि इस सरोवर के निर्माण के लिए ग्रामीणों ने 16 लाख रुपए का सार्वजनिक योगदान दिया है। यह सरोवर सवजी धोळकिया फाउंडेशन और सरकार के सहयोग से लगभग 4 करोड़ रुपए के अनुमानित खर्च से बनेगा। सरोवर की लंबाई 1360 मीटर, चौड़ाई 480 मीटर है और गहराई 1 मीटर है। सरोवर की जल संग्रहण क्षमता 45 लाख क्यूबिक मीटर है। इस सरोवर में वजापुर, कल्याणपुरा, एटा, रामपुरा, भटासणा, रड़का और चात्रा गांवों का बरसाती पानी डाला जाएगा। इस सरोवर में जल संचयन से कुंभारखा, खडोल, भटासणा, रड़का, चात्रा, सेडव और उचोसण गांव के लगभग 500 से अधिक किसानों की 1500 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा।

हेलीकॉप्टर से पेट्रोलिंग...भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की तैयारियों में जुटी अहमदाबाद पुलिस

अहमदाबादः गुजरात के अहमदाबाद में इस बार 147वीं भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान पुलिस हेलीकॉप्टर से नजर रखेगी। अहमदाबाद पुलिस ने शनिवार को हेलीकॉप्टर से पेट्रोलिंग का रिहर्सल किया। पिछले साल अहमदाबाद पुलिस ने पहली बार पूरे रथ यात्रा के रूट पर 3डी मैपिंग तकनीक का इस्तेमाल किया था। इसके साथ पुलिस ने किसी भी अवैध ड्रोन को आने से रोकने के लिए ड्रोन-रोधी प्रौद्योगिकी का भी उपयोग किया था। इस बार पुलिस ने रथ यात्रा को अच्छे से संपन्न कराने के लिए हेलीकॉप्टर से पेट्रोलिंग का निर्णय लिया है। रथ यात्रा में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सोने की झाड़ू से रथ का मार्ग साफ करेंगे तो वहीं इस ऐतिहासिक रथ यात्रा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भी मौजूद रहने की उम्मीद है। शाह पिछले कई सालों से लगातार मंगला आरती के पहुंचते आए हैं।

हेलीकॉप्टर से रखी जाएगी नजर

गुजरात के अहमदाबाद हर साल होने वाली भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में इस बार पुलिस हेलीकॉप्टर से पेट्रोलिंग करेगी। पिछले साल भी यात्रा में पुलिस ने लेटेस्ट तकनीक का प्रयोग किया था। इसमें थ्री डी मैपिंग और एंटी ड्रोन प्रणाली शामिल थी। इस बार पुलिस हेलीकॉप्टर से पूरे रूट पर नजर रखेगी।

अहमदाबाद पुलिस के जाइंट सीपी नीरज बडगुजर ने बताया कि पुलिस ने 7 जुलाई को होने वाली जगन्नाथ यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर से गश्त का अभ्यास किया है। पुलिस ड्रोन के ज़रिए भी सभी संवेदनशील जगहों पर नज़र रखेंगी। हेलीकॉप्टर के ज़रिए पूरी यात्रा का विहंगम दृश्य भी देखा जा सकेगा। इसके साथ ही पूरे रूट पर नजर भी रखी जा सकेगी। बडगुजर ने बताया कि चाक-चौबंद सुरक्षा रखने के उद्देश्य से ही हेलीकॉप्टर पेट्रोलिंग का निर्णय लिया गया है। गुजरात में अहमदाबाद की रथ यात्रा ऐतहासिक है। 1990 के दशक में अहमदाबाद रथ यात्रा के वक्त पर दंगे भी हुए थे। इसलिए पुलिस तब से कोई भी कोताही नहीं बरती है।

जमालपुर में स्थित है मंदिर

अहमदाबाद के जमालपुर में भगवान जगन्नाथ का मंदिर है। यहां से मुख्यमंत्री 'पाहिंद विधि' के बाद रथ यात्रा आगे बढ़ती है। रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के रथ जमालपुर इलाके में स्थित 400 साल पुराने जगन्नाथ मंदिर से 18 किलोमीटर की रथयात्रा के लिए निकलते हैं। जगन्नाथ रथ यात्रा हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि को निकाली जाती है। अहमदाबाद के इस बड़े पर्व में लाखों लोग शिरकत करते हैं। इस दौरान रथ यात्रा के रथ को भक्त खींचते हैं। तो वहीं भगवान जगन्नाथ रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देते हैं। भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर अपनी मौसी के घर जाएंगे।

गुजरात में सीबीआई ने जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन को हिरासत में लिया

अहमदाबाद, ३० जून ।

नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पंचमहल जिले के जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन दीक्षित पटेल को शनिवार देर रात हिरासत में ले लिया।

नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पंचमहल जिले के जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन दीक्षित पटेल को शनिवार देर रात हिरासत में लेलिया।दीक्षित पटेल को हिरासत में लेने के बाद गोधरा सिविल अस्पताल में उनका मेडिकल कराया गया। नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क में होने के संदेह के आधार पर सीबीआई ने दीक्षित पटेल के खिलाफ यह कार्रवाई की है।

इससे पहले २७ जून को नीट में धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई ने दीक्षित पटेल से पूछताछ की थी। इसके अलावा सीबीआई ने कुछ छात्रों के परिजनों के भी बयान दर्ज किए। नीट पास कराने के लिए १० लाख रुपये की ठगी के मामले में जय जलाराम स्कूल के प्रिंसिपल और एक शिक्षक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि नीट में गड़बड़ी करने के आरोप में गुजरात पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद ढाई करोड़ रुपए के मनी ट्रेल की बात सामने आई थी। पुलिस के मुताबिक, छात्रों से पैसे लेकर नीट परीक्षा पास कराने का गोरखधंधा चल रहा था।

पिछले महीने पंचमहल जिले के कलेक्टर को मिली सूचना के आधार पर गोधरा के जय जलाराम स्कूल के नीट परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान इस बात का खुलासा हुआ कि बच्चों से पैसे लेकर परीक्षा पास कराने का खेल हुआ है। पुलिस की जांच के अनुसार, इस सेंटर पर परीक्षा देने वाले कई उम्मीदवार नकल माफिया के संपर्क में थे। ऐसे छात्रों से १०-१० लाख रुपए लिए जाने की बात भी सामने आई।

गुजरात पर मेघा मेहरबान, अहमदाबाद समेत कई जिलों में मूसलाधार बारिश

अहमदाबाद (ईएमएस)शहर समेत राज्य के कई जिलों पर बरसाती माहौल हैं मूसलाधार बारिश से अहमदाबाद शहर पानी पानी हो गया हैं लगातार मूसलाधार बारिश होने से लोगों को गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली हैं पूर्वी और पश्चिमी अहमदाबाद में मूसलाधार बारिश होने से कई इलाके जलमग्न हो गए हैं अहमदाबाद के साइंस सिटी और गोता में अब तक 5 इंच बारिश हो चुकी हैं वहीं बोपल में 3.5 इंच, बोडकदेव में 1.5 इंच, चांदलोडिया, नरोडा, चांदखेडा, जोधपुर और राणीप में 1 इंच बारिश हुई हैं समाचार लिखे जाने तक अहमदाबाद शहर में लगातार मूसलाधार बारिश जारी हैं अहमदाबाद के एसजी हाईवे, प्रहलादनगर, श्यामल, सरखेज, इस्कॉन, बोपल, घूमा, थलतेज, शेला, गोता, वस्त्रापुर आनंदनगर, जोधपुर, वेजलपुर, आश्रम रोड, वाडज मणिनगर, खोखरा, अमराईवाडी, हाटकेश्वर, वटवा, सीटीएम, वस्त्राल, निकोल, ओढव, साबरमती और चांदखेडा समेत कई इलाकों में मूसलाधार बारिश के चलते निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं दक्षिण गुजरात के सूरत शहर में भारी बारिश ने शहर की सूरत बिगाड़ दी हैं मूसलाधार बारिश के चलते सूरत के कतारगाम, सिंगणपोर समेत इलाके जलमग्न हो गए हैं इसके अलावा शहर के वराछा, पालनपुर पाटिया, अडाजण, पर्वत पाटिया इत्यादि में बारिश का पानी भरने लगा हैं सूरत में देर रात से बारिश हो रही है और अब तक पांच इंच से ज्यादा बारिश दर्ज हो चुकी हैं जिसके चलते शहर का उधना रेलवे स्टेशन अंडरपास, अठवा गेट, हाथीवाला मंदिर क्षेत्र, अखंड आनंद कॉलेज, वेडरोड, मजूरा गेट और सिविल अस्पताल समेत कई इलाकों में जलभराव की खबर हैं मूसलाधार बारिश में शहर के कई इलाकों में जलभराव ने वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं

वडोदरा मण्डल पर सेवा निवृति तथा अनुकंपा नियुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय-प्रताप नगर, वडोदरा मंडल में दिनांक 28.06.2024 को वर्ष का 6वां सेवा निवृति तथा अनुकंपा नियुक्तिपत्र वितरण का पहला कार्यक्रम का सफल एवं उत्साह पूर्ण आयोजन कांफ्रेस हॉल (सभा भवन) में कार्मिक विभाग द्वारा किया गया जिसमे रेलवे के विभिन्न विभाग से26(21 पुरुष+5महिला) सेवानिवृत कर्मचारियों (जिसमे से 2 स्वेच्छिक सेवानिवृति लेने वालें भी थे) को मंडल रेल प्रबंधक महोदय श्री जीतेन्द्र सिंह, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री सुनीलबिश्नोईतथाअन्य अधिकारीयों की गरिमामय उपस्थिति में, मंडल रेल प्रबंधक महोदय श्री जीतेन्द्र सिंह के कर कमलों द्वारा ने सेवानिवृत कर्मचारियों को उनके सेवा निवृत्ति लाभ और स्मृति चिन्ह प्रदान किये गए।

सेवानिवृति कार्यक्रम के साथ साथ वडोदरा मण्डल में पहली बार अनुकंपा के आधार पर नियुक्त होने वाले 4 कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक महोदय श्री जीतेन्द्र सिंह के द्वारा नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किये गए।

सेवानिवृति के इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री जीतेन्द्र सिंह एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री सुनील बिश्नोई के सांनिध्य में जून 2024 महीने में सेवानिवृत हुए 7 कर्मचारियों को ''दुर्घटना मुक्त सेवा पुरस्कार'' का प्रमाण पत्र भी प्रदान करके सम्मानित किया गया।

मण्डल रेल प्रबंधक महोदय श्री जीतेन्द्र सिंह ने सेवानिवृत हो रहे सभी कर्मचारी से एक-एक करके संवाद किया। जिसमे उनकी रेल सेवा का अनुभव साझा किया गया तथा सेवा निवृति के पश्चात की जीवनचर्या और योजना के बारे में चर्चा हुई। इसके साथ ही सेवानिवृति पर मिलने वाली राशी का सही और सुरक्षित निवेश और बचत के लिए भी उन्हें प्रोत्साहित किया गया तथा आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गयी।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री सुनील बिश्नोई तथा अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा एवं भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रतिनिधियों द्वारा सेवानिवृत रेल कर्मचारियों को उनकी पूंजी के सही एवं सुरक्षित निवेश और बचत के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

शिक्षा सत्र : २०२४-२५ में होगी २४८ दिनों की पढ़ाई

सूरत, ३० जून ।

प्रदेश के प्राथमिक स्कूल १३ जून से खुलने के साथ गुजरात काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (जीसीईआरटी) ने शिक्षा सत्र २०२४-२५ के वार्षिक कैलेंडर को जारी किया है। जिसके अनुसार इस साल स्कूलों में २४८ दिनों की पढ़ाई होगी। अक्टूबर-नवम्बर में प्रथम सत्र की और अप्रैल २०२५ में द्वितीय सत्र की आंतरिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

जून में १४, जुलाई में २६, अगस्त में २४, सितम्बर में २४ और अक्टूबर में २१ दिनों की पढ़ाई होगी। २९ अक्टूबर को दिवाली होने के चलते माह के अंत में दिवाली वेकेशन घोषित किया जाएगा। प्रथम सत्र की पढ़ाई १०९ दिनों की होगी। अक्टूबर में दिवाली होने के कारण इसी माह में प्रथम आंतरिक परीक्षा आयोजित करने का स्कूलों को निर्देश दिया गया है।

नवम्बर से शुरू होगा द्वितीय सत्र की पढ़ाई। जिसमें नवम्बर में १२ दिनों, दिसम्बर में २५, जनवरी में २६, फरवरी में २४, मार्च में २५, अप्रैल में २४ और मई के ३ दिनों को मिलाकर कुल १३९ दिनों की पढ़ाई होगी। प्रथम सत्र के १०९ और द्वितीय सत्र के १३९ दिनों को मिलाकर स्कूलों में साल भर में २४८ दिनों की पढ़ाई होगी। स्कूलों को अप्रैल में ही विद्यार्थियों की द्वितीय सत्र आंतरिक परीक्षा आयोजित करनी होगी। ५ मई २०२५ से स्कूलों में ग्रीष्मकालीन वेकेशन शुरू हो जाएगा और १३ जून २०२५ से नए शिक्षा सत्र २०२५-२६ का आगाज होगा।

श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस ने पांच नई पीढ़ी के फसल सुरक्षा और विशेष पौध पोषण उत्पाद लॉन्च किए

गुजरात, 29 जून, 2024: डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के एक प्रभाग, श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस ने फसल सुरक्षा और विशेष पौध पोषण उत्पादों के अपने नए युग की शुरुआत की है। यह कार्यक्रम अहमदाबाद में आईटीसी द्वारा वेलकम में आयोजित किया गया था, जहां क्षेत्र के प्रमुख चैनल भागीदारों ने इन अभिनव समाधानों की एक भव्य प्रस्तुति देखी।

खरपतवार प्रबंधन की चुनौतियों और मैन्युअल संचालन के कारण लागत में वृद्धि को संबोधित करते हुए, श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस ने श्रीराम बिकुटा पेश किया है, जो कपास की फसलों में चौड़ी पत्ती और संकीर्ण पत्ती वाले घुन से निपटने के लिए तैयार किया गया एक प्रारंभिक चयनात्मक शाकनाशी है। इस नवोन्वेषी उत्पाद को इसके दो अत्यधिक प्रभावी, सक्रिय अवयवों और एमई फॉर्मूलेशन के साथ विकसित किया गया है, जो निर्माताओं के लिए एक उचित समाधान प्रदान करता है। अपने कीटनाशक पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए, कंपनी ने श्रीराम सैशो, श्रीराम क्रोन और श्रीराम ट्रैक्सटर की घोषणा की है, जो वैश्विक नवप्रवर्तकों के साथ सहयोग का परिणाम है।

स्पेशलिटी प्लांट न्यूट्रिशन (एसपीएन) सेगमेंट में, श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस ने श्रीराम प्रोटोबज+ पेश किया है। इस क्रांतिकारी उत्पाद को संयुक्त राज्य अमेरिका की पेटेंट वाली डिलीवरी तकनीक 'नैनो लिक्विड टेक्नोलॉजी' को शामिल करके विकसित किया गया है। अपने बेजोड़ प्रदर्शन के साथ, श्रीराम प्रोटोबज़+ तेज प्रसंस्करण और दक्षता सुनिश्चित करता है और निर्माताओं के लिए उच्च लाभ में मदद करता है। श्रीराम ड्रिपाइट वेजिटेबल्स, सब्जियों के लिए एक संपूर्ण पोषण समाधान एक अन्य उत्पाद था जिसे पेश किया गया था और यह गेम चेंजर होने का वादा करता है।

कंपनी के कार्यकारी निदेशक और बिजनेस प्रमुख संजय छाबड़ा ने कहा, श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस में हम कृषि नवाचार की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं और यह नया उत्पाद लॉन्च उन्नत समाधानों के साथ उत्पादकों को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है जो उनकी उभरती जरूरतों को पूरा करते हैं और आगे बढ़ते हैं।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

डीजल इंजनो के लिए रखरखाव अनुबंध

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत Tr.D), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004 द्वारा निम्नानुसार कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। क्रम सं.1 : निविदा सं. EL/TRD/Tender/23-24/30R. कार्य का नाम: वडोदरा मंडल के 8-व्हीलर और4-व्हीलर टॉवर वैगनों के डीजल इंजनो के लिये दो (02) वर्ष की अवधि के लिये वार्षिक रखरखाव अनुबंध । कार्य की अनुमानित लागत (रु.में): ₹ 2,54,24,839/- बिड सिक्युरीटी (रु.में): ₹ 2,77,100/- निविदा दस्तावेज की लागत एवं समापन अवधि: समापन अवधि 24 माह, निविदा समय सारणी : निविदा बंद होने की दिनांक 26/07/2024 एवं बंद होने का समय उसी दिनांक को 15:00 बजे । वेब पेज विवरण एवं नोटीस के लिए स्थान जहाँ संपूर्ण विवरण देखा जा सकेगा तथा कार्यालय और स्पष्टीकरण का पता: वेबसाईट: @ www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत Tr.D), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004.

BRC-098

हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96